www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper
bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 28.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.755g
चांदी 110,000kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

2 न बंदूक काम आई ना बम, आखिरकार ट्रंप ने मोदी फॉर्मूला के जरिये ही सुलझाया सारा बवाल

नाटो समिट में ट्रम्प के एजेंडे का विरोध 04

वर्ष :09 | अंक :05 | मुंबई ,गुरूवार , 26 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर लड़की का आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के आरोप में किशोर पर मामला दर्ज

नवी मुंबई में एक नाबालिग लड़की का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में एक किशोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान मोहम्मद कैफ अकरम साह के रूप में हुई है, जिसने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल के जरिए नाबालिग लड़की से संपर्क किया था। प्राथमिकी में कहा गया है, इस वीडियो कॉल के दौरान उसने लड़की की अनुमति के बिना नहाते समय उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद उसने इस वीडियो क्लिप का इस्तेमाल पीड़िता से यौन संबंध बनाने की मांग करने में किया। जब पीड़िता ने ऐसा करने से मना कर दिया तो उसने वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। रबाले एमआईडीसी पुलिस ने लड़की द्वारा 23 जून को शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं, मानहानि और आपराधिक धमकी, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है तथा मामले की जांच जारी है।

कौशांबी में कच्चा मकान ढहने से पत्नी की मौत, पति घायल

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में बुधवार को बारिश के कारण एक कच्चा मकान ढहने से पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कौशांबी क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि पश्चिम शरीरा थानाक्षेत्र के रामाधीन का पुरवा गांव में बुधवार सुबह बारिश से सीलन आने के करण इंद्रलाल का कच्चा मकान अचानक ढह गया। उन्होंने बताया कि मकान के मलबे में इंद्रलाल और उसकी पत्नी सुमिया देवी (52) दब गए। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से दोनों को मलबे से बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि मलबे में दबी सुमिया देवी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि इंद्र लाल भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने इंद्रलाल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि सुमिया देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

इमरजेंसी के 50 साल-पीएम सहित पूरी कैबिनेट ने मौन रखा

मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया; खड़गे का जवाब- ये झूठ छिपाने का नाटक

इमरजेंसी

पीएम बोले- इमरजेंसी के वक्त मैं फरार का युवा प्रचारक था पीएम ने अपनी पोस्ट में 'द इमरजेंसी डायरीज' नाम की बुक का भी जिक्र किया। पीएम ने लिखा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था।

एजेंसी

नई दिल्ली , पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया।कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए। पहला- पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 5940 करोड़ रुपये का संशोधित मास्टर प्लान मंजूर। तीसरा- आगरा में 111 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित किया जाएगा।इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दी थी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जवाब दिया कि, ये लोग अपनी गलती छिपाने के लिए यह सब नाटक करते हैं।दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है।

पीएम ने लिखा- इमरजेंसी लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय

इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा, यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं।भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह हमारा कर्तव्य है।

इमरजेंसी पर अन्य नेताओं के बयान...

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, आज से 50 साल पहले कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी, जो कोई राजनीतिक घटना नहीं बल्कि लोकतंत्र पर सीधा हमला था।
- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, यह देश की आत्मा को कुचलने का सीधा प्रयास था। आपातकाल एक परिवार की तरफ से रचा गया
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिखा, देश में आपातकाल, कानूनों के हथियारीकरण, न्यायिक स्वतंत्रता के हनन और नियमों की अनदेखी करके लगाया गया था।

खड़गे बोले- बीजेपी का न संविधान बनाने में, न आजादी में कोई योगदान उधर

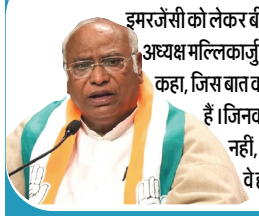

इमरजेंसी को लेकर बीजेपी की तरफ से लगाए जा रहे आरोपों पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा, जिस बात को 50 साल हो गए, ये लोग उसे बार-बार दोहरा रहे हैं। जिनका देश की आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं, जिनका संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। वे हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते हैं।

ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन आईआईएस रवाना

मोदी ने एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर शुभकामनाएं दी

एक्सिओम मिशन भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसे मानव रहित मिशनों के परीक्षण के बाद एक या दो साल बाद निर्धारित किया गया है।

एजेंसी

चेन्नई : अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों वाला एक्सिओम मिशन-4 भारतीय यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और चालक दल के तीन अन्य सदस्यों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दिन में 12 बजकर एक मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ। यह मिशन 14 दिन की अवधि का है।यह मिशन 28 घंटों की यात्रा के बाद कल सुबह सात बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरेगा ।मिशन में भारत, हंगरी ,अमेरिका और पौलेंड के यात्री शामिल हैं।इस मिशन के पायलट शुभांशु शुक्ला हैं और मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं। हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू तथा पौलेंड के स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की मिशन विशेषज्ञ हैं ।नासा के सहयोग से यह ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगा जो नए क्षितिज की खोज के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा क्योंकि यह भारत के तीन बेहद सफल चंद्र मिशनों और स्पैडेक्स प्रायोगिक डॉकिंग मिशन की पृष्ठभूमि में आता है। इसने अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत को अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने में सक्षम बनाया। भारत ने वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।इस मिशन की पहली उड़ान 29 मई को उड़ान निर्धारित थी लेकिन प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों ,एलओएक्स लीक और आईएसएस में मरम्मत कार्यों सहित विभिन्न कारणों से छह बार इसका प्रक्षेपण टला लेकिन आज इसने आखिरकार लॉन्च पैड से शानदार तरीके से उड़ान भरी।वह अपने साथ एक अरब 40 करोड़ भारतीयों की इच्छाओं, आशाओं और आकांक्षाओं के साथ इस अभियान पर हैं। उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं! उल्लेखनीय है कि अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए एक्सिओम-4 मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य सदस्यों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भारतीय समय के अनुसार दिन में 12 बजकर एक मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ।

मोदी ने एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर शुभकामनाएं दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत, हंगरी, पोलैंड और अमरीका के अंतरिक्ष यात्रियों के एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के बुधवार को सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया है।श्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भी शुभकामनाएं दीं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं।प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमरीका के अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं।

तिरुपति लड्डू प्रसाद मामले में एसआईटी का खुलासा

हुई 240 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी , तिरुमाला मंदिर लड्डू प्रसाद मामले की जांच कर रही एसआईटी ने हाईकोर्ट में कई बड़े खुलासे किए हैं.

कई मंदिरों में नकली घी की आपूर्ति

एसआईटी ने खुलासा किया कि यह रैकेट तिरुमाला से भी आगे तक फैला हुआ है . आंध्र प्रदेश के छह प्रमुख मंदिरों को भी इसी तरह का मिलावटी घी मिला. इनमें कनिपकम, श्रीकालहस्ती, द्वारका तिरुमाला, पेनुगंचिप्रोलु तिरुपथम्मा अम्मावरु मंदिर, श्रीशैलम, कनक दुर्गा मंदिर, विजयवाड़ा शामिल है .

एजेंसी

अमरावतीः विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसाद बनाने में कथित नकली घी के इस्तमाल करने के मामले में सीबीआई ने अदालत में बड़ा खुलासा किया. सीबीआई ने कहा कि आरोपियों ने 60 लाख किलोग्राम मिलावटी घी की आपूर्ति की जिससे 240 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई.सीबीआई ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को नकली घी की आपूर्ति मामले अदालत में बड़ा खुलासा किया है. सीबीआई निदेशक की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रही है. इसमें पाया गया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान टीटीडी को नकली घी की आपूर्ति की गई.

उपराष्ट्रपति धनखड़ कुमांउ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में बेहोश हुए

अधिवक्ता पाल 1989 में लोकसभा सदस्य रह चुके हैं और उस दौरान धनखड़ राजस्थान के झुंझनू से सांसद थे। धनखड़ और पाल एक दूसरे को देखकर भावुक हो गये। एक दूसरे से बात करने के कुछ देर बाद धनखड़ ने पाल को गले लगाया और उनके कंधों पर बेसुध हो गये।

एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को यहां कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान बेहोश हो गए। उपराष्ट्रपति भाषण देने के बाद मंच से नीचे उतरकर दर्शकों में बैठे अपने पूर्व संसदीय सहयोगी महेंद्र सिंह पाल की तरफ बढ़े। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पाल 1989 में लोकसभा सदस्य रह चुके हैं और उस दौरान धनखड़ राजस्थान के झुंझनू से सांसद थे। धनखड़ और पाल एक दूसरे को देखकर भावुक हो गये।

जम्मू में भारी बारिश, तवी नदी में नौ लोग फंसे, पुलिस व एसडीआरएफ ने बचाया

एजेंसी

जम्मू : जम्मू कश्मीर के कई इलाकों में हो रही बारिश की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसी बीच बारिश के कारण तवी नदी का जलस्तर अचानक से बढ़ जाने से नौ लोग फंस गए.नदी में फंसे लोगों को बचाने के लिए बुधवार को पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने संयुक्त से अभियान चलाया.

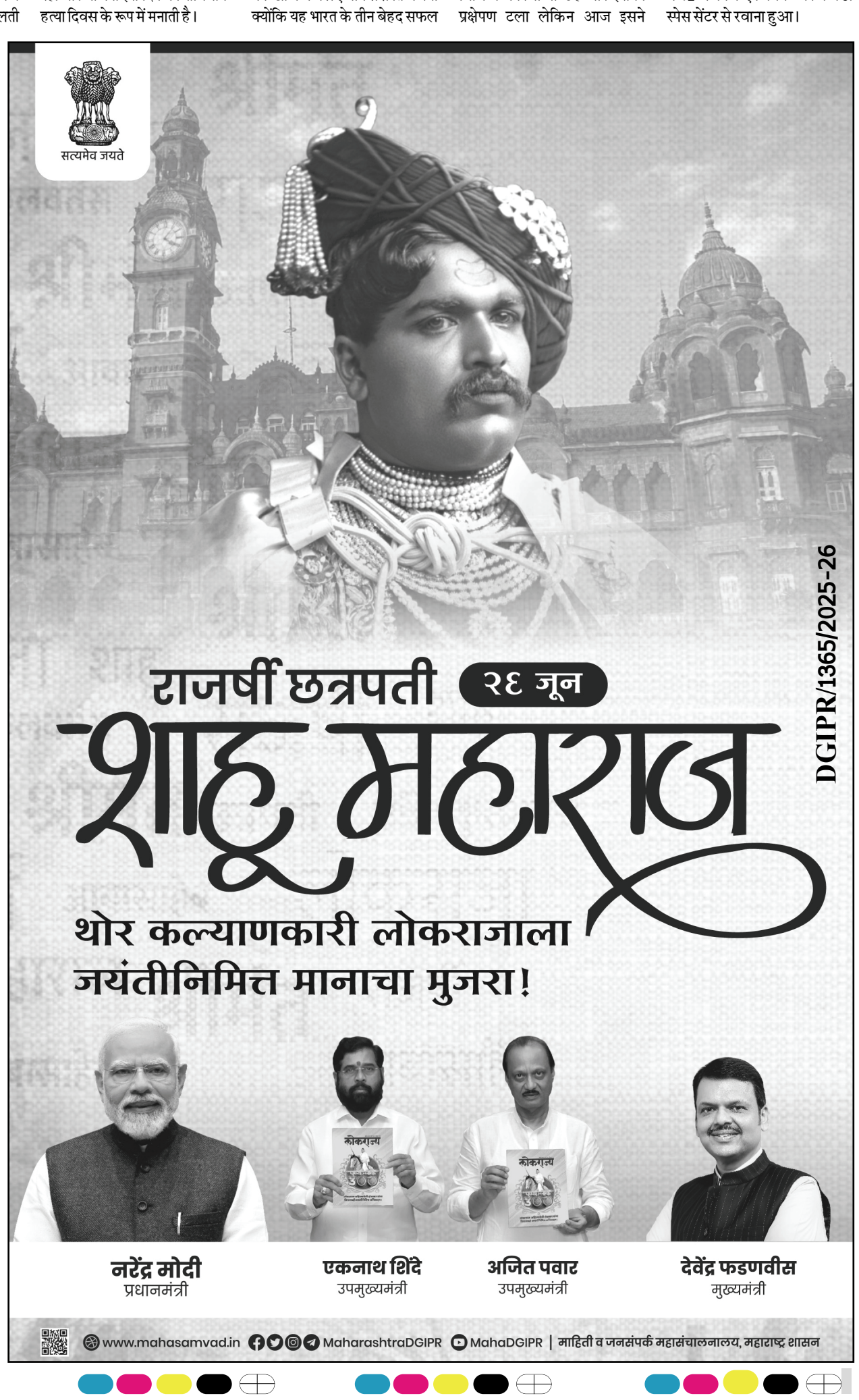

कटाक्ष | कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का शशि थरूर पर कटाक्ष

हमारे लिए देश पहले और कुछ लोगों के लिए मोदी...

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस वार्ता में पार्टी के वरिष्ठ नेता शशि थरूर के बारे में बोलते हुए हास्य और राजनीतिक स्पष्टता का मिश्रण पेश किया। अपनी खासियत के साथ खड़गे ने कह कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी भाषा बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें कांग्रेस कार्यसमिति का सदस्य बनाया। उनकी हल्की-फुल्की टिप्पणी पर हंसी तो आई, लेकिन इसने थरूर की बौद्धिक क्षमता और वैश्विक संचार कौशल के प्रति पार्टी की मान्यता को भी रेखांकित किया। खड़गे ने अपना सुर बदलते हुए राष्ट्रीय एकता के संदेश पर जोर दिया और कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद पूरा विपक्ष भारतीय सेना के पीछे मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा कहा है, राष्ट्र पहले। नाम लिए बिना उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लेकिन कुछ लोग राष्ट्र को सर्वोपरि रखने के बजाय 'मोदी पहले' में विश्वास करते हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक आख्यान एक बार फिर टकरा रहे हैं। खड़गे के बयान ने पार्टी की आंतरिक प्रतिभा को समर्थन देने के साथ-साथ यह स्पष्ट चेतावनी भी दी कि देशभक्ति पार्टी की सीमाओं से परे होनी चाहिए। वरिष्ठ नेता शशि थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में की गई प्रशंसा को लेकर कांग्रेस पार्टी के भीतर बढ़ती बेचैनी के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने अब तक की सबसे कड़ी सार्वजनिक फटकार लगाई, जिसमें उन्होंने पार्टी के मूल राष्ट्रवादी रुख को रेखांकित करते हुए थरूर की अंग्रेजी वाक्पटुता का सूक्ष्मता से मजाक उड़ाया। शशि थरूर ने बाद में एक्स पर पोस्ट किया और कहा कि उड़ने के लिए अनुमति मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं। और आसमान किसी का नहीं है। इस प्रतिक्रिया के जवाब में कांग्रेस प्रवक्ता ने पार्टी की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह उनकी अपनी राय हो सकती है, लेकिन यह कांग्रेस पार्टी की राय नहीं है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस ने लगातार सबूतों और प्रमाणों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से निपटने के सरकार के तरीके को चुनौती दी है।

खड़गे ने आगे कहा, श्नरेंद्र मोदी बिहार में प्रचार कर रहे हैं. अरे चुनाव तुम नहीं जीत रहे हो, मशीन जीत रही है. प्रधानमंत्री ने आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर सरकार द्वारा एक नया परिपत्र जारी किया है.

सम्पादकीय

कितनी सहूलियत देगा फास्टैग का नया नियम?

टोल टैक्स पर आए दिन घटित होती नाना प्रकार की सामान्य-असामान्य घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आखिरकार केंद्र सरकार ने एक दफे फिर पुरानी टोल्स नीतियों में बदलाव करते हुए नए फास्टैग नियम लागू करने का ऐलान किया है। बदले नियमों को केंद्र सरकार ने सुपरफास्ट फास्टैग बताया है। हालांकि, ये नवीनतम योजना दो महीने बाद यानी आगामी 15 अगस्त से देशभर में अमल आएगी। इसके संबंध में मोटी-मोटी सूचनाएं विभागीय मंत्री नितिन गडकरी ने बीते गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स के जरिए देशवासियों से साक्षा की। नई नियमों को लेकर लोगों के जेहन में सिर्फ दो सवाल प्रमुखता से उठ रहे हैं। अव्वल, क्या अब टोल टैक्स पर लगने वाली लंबी-लंबी कतारें कम होंगी। वहीं दूसरा, क्या इससे वाहन चालकों को थोड़ी बहुत रियारत मिल पाएगी ?गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी मंत्री नितिन गडकरी ने एक ऐलान किया था कि 60 किमी अंतराल में आने वाले टोल से वसूली नहीं की जाएगी। लेकिन अफसोस वह योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। कम दूरी वाले किसी टोल को बंद नहीं किया गया, आज भी टोल्स पर वसूली बदस्तूर जारी है। ज्यादातर पुराने टोल की दूरी 60 किमी से काफी कम हैं। 30-40 किमी की दूरी में ही बने हैं। विगत सालों पहले सरकार ने टोल से नगद वसूली के नियमों को बदलकर जब से फास्टैग योजना को लागू किया था, तब से उसकी आमदनी में चार चांद लग गए। दरअसल, फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली है, जिसे एनएचएआई लीड करती है ।फास्टैग से टोल वसूली का पैसा धीरे सरकार के खजाने में जाता है। फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक से उपयोग होती है, जिससे ग्राहक टोल भुगतान सीधे प्रीपेड या बचत खाते से आसानी से करते हैं। वित्तीय वर्ष-2024 में भारत भर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह राजस्व का मूल्य 648 बिलियन भारतीय रुपए से अधिक रहा। यही कारण है कि सरकार इस सब्जेक्ट को इतनी गंभीरता से लेकर चल रही है। सरकार का मकसद है कि नए नियमों का फायदा ग्राहकों को भी हो और उनकी आमदनी में भी इजाफा हो ?केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम-1956 और शुल्क नियम-2008 के तहत टोल प्लाजा के माध्यम से शुल्क वसूलती है। नियमों में बदलाव पहले भी कई मर्तबा किए गए। पर, बीते एकाध दशक से टोल वसूली में बेहताशा इजाफा हुआ। जिसे कम करने का आमजन का भारी दबाव सरकार पर है। आम लोगों को मिलने वाली किफायत की जहां तक बात है, तो नई पॉलिसी फिलहाल निजी वाहनों पर लागू होगी। तीन हजार रुपए का वैध वार्षिक पास बनवाने के बाद ग्राहक साल भर की अवधि में 200 टोल टैक्स क्रॉस कर सकेंगे। ये पास मौजूदा फास्टैग में ही संचालित होगा, नया बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, इसमें पेंच एक फंसाया गया है। योजना सिर्फ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और विभिन्न राष्ट्र्य राजमार्गों में प्रयोग होगी।

आज का विचार

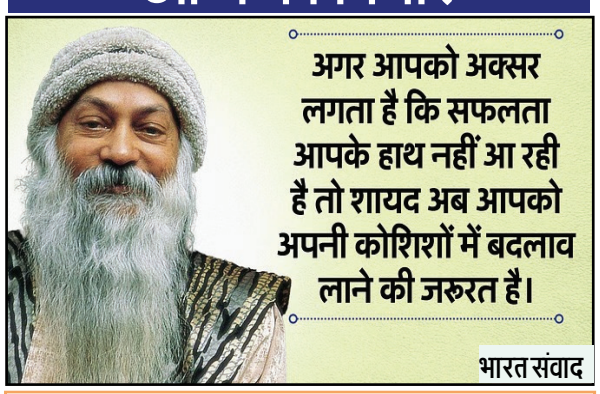

मेष राशिः करियरः कार्यस्थल पर आपकी कार्यशैली और नेतृत्व से सभी प्रभावित होंगे.बिजनेसः नए साझेदार से जुड़ने का प्रस्ताव आ सकता है. धनः आय में वृद्धि के संकेत हैं, निवेश की संभावनाएं बनेंगी. स्वास्थ्यः ऊर्जा बनी रहेगी, लेकिन अधिक भागदौड़ से थकान हो सकती है.

वृषभ राशिः करियरः कार्यस्थल पर अनावश्यक विवाद से बचें. बिजनेसः रुका हुआ पैसा मिलने से राहत मिलेगी. धनः खर्च बढ़ सकते हैं, बजट का संतुलन जरूरी. स्वास्थ्यः अपच या एसिडिटी जैसी परेशानियां हो सकती हैं. शिक्षाः पढ़ाई में फोकस बनाए रखने की आवश्यकता है. लव/पारिवारिकः परिवार में मेहमानों का आगमन मन प्रसन्न करेगा.

मिथुन राशिः करियरः नई शुरूआत के लिए दिन उत्तम है. बिजनेसः छोटे व्यापार में निवेश लाभकारी होगा.धनः स्थिरता बनी रहेगी, फालतू खर्च से बचें. स्वास्थ्यः मानसिक तनाव से दूरी रखें. शिक्षाः छात्रों को नई दिशा मिल सकती है. लव/पारिवारिकः प्रेमी से रिश्ते मजबूत होंगे, संतान की संगति पर ध्यान दें.

कर्क राशिः करियरः अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाएंगे, संयम रखें. बिजनेसः पुराने संपर्कों से लाभ मिल सकता है. धनः आर्थिक दृष्टि से दिन सामान्य रहेगा. स्वास्थ्यः पुराना रोग परेशान कर सकता है. शिक्षाः एकाग्रता में कमी रहेगी. लव/पारिवारिकः दांपत्य जीवन में तनाव, संवाद से सुलझेगा.

सिंह राशिः करियरः उच्च अधिकारियों से सराहना मिलेगी. बिजनेसः साझेदारी से जुड़े निर्णय स्थगित करें. धनः अनावश्यक उधारी से बचें. स्वास्थ्यः नींद की कमी थकान दे सकती है. शिक्षाः विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनना होगा. लव/पारिवारिकः संतान को लेकर चिंता रहेगी.

कन्या राशिः करियरः अत्यधिक परिश्रम से लाभ मिलेगा. बिजनेसः रुका हुआ धन मिल सकता है.धनः आय बढ़ेगी, खर्च संतुलित रखें. स्वास्थ्यः थकावट के बावजूद मनोबल ऊंचा रहेगा.शिक्षाः उच्च शिक्षा के अवसर बनेंगे.लव/पारिवारिकः प्रेमी से मतभेद संभव, धैर्य रखें. ग्रह प्रभावः बुध आपको व्यावहारिक बनाएगा.

तुला राशिः करियरः प्रमोशन की संभावना है, अधिकारी प्रसन्न रहेंगे. बिजनेसः निवेश सोच-समझकर करें, कोई भ्रम हो सकता है.धनः आमदनी स्थिर रहेगी, खर्चों पर लगाम रखें. स्वास्थ्यः आंखों या त्वचा संबंधी परेशानी हो सकती है.

वृश्चिक राशिः करियरः नेतृत्व क्षमता निखरेगी, टीम पर पकड़ मजबूत होगी. बिजनेसः जोखिम वाले निवेश से लाभ होगा, पर सावधानी रखेंधनः आय में वृद्धि के योग हैं, पुराने उधार भी मिल सकते हैं. स्वास्थ्यः गुप्त रोग या पाचन संबंधी समस्या संभव. शिक्षाः शोध या गूढ़ विषयों में रुचि बढ़ेगी.

धनु राशि : करियरः विदेश से जुड़ी नौकरी या अवसर मिल सकते हैं. बिजनेसः कानून या शिक्षा से जुड़ा व्यापार लाभ देगा.धनः निवेश में लाभ मिलेगा, नया स्त्रोत भी खुल सकता है. स्वास्थ्यः जांघ या ज्वर से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है. शिक्षाः उच्च शिक्षा के इच्छुक छात्रों को सफलता मिलेगी.

मकर राशि : करियरः ऑफिस में निर्णय लेने की भूमिका बढ़ेगी. बिजनेसः संपत्ति या निर्माण से जुड़े काम में लाभ मिलेगा.धनः पारिवारिक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है. स्वास्थ्यः हड्डियों या घुटनों की समस्या हो सकती है.शिक्षाः प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी बेहतर रहेगी.

कुंभ राशि : करियरः आईटी, रिसर्च या सोशल वर्क से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा. बिजनेसः नये प्रयोग से लाभ मिलेगा, पर समय लग सकता है.

मीन राशि : करियरः कला, संगीत या परामर्श से जुड़े पेशों में सफलता. बिजनेसः कर्ज से बचें, साझेदारी में पारदर्शिता रखें.धनः आय में उतार-चढ़ाव संभव है

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

न बंदूक काम आई ना बम, आखिरकार ट्रंप ने मोदी फॉर्मूला के जरिये ही सुलझाया सारा बवाल

> हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुरूआत से कहते रहे हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं निकल सकता। बातचीत और कूटनीति ही समाधान निकलने का एकमात्र रास्ता है।

पा ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन तक चला युद्ध आखिरकार शांत हो गया है। इससे पहले पिछले महीने भारत और पाकिस्तान के बीच चला सैन्य टकराव भी तीन-चार दिनों में ही थम गया था। मगर इजराइल और हमास के बीच अक्टूबर 2023 से और रूस तथा यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से ही युद्ध जारी है। देखना होगा कि वहां पर कब शांति आती है। वैसे इन सारे संघर्षों का विश्लेषण करेंगे तो एक बात उभर कर सामने आती है कि भारत की नीति पर पूरी दुनिया को अमल करना चाहिए क्योंकि यही स्थायी शांति का सबसे सटीक फॉर्मूला है हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुरूआत से कहते रहे हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं निकल सकता। बातचीत और कूटनीति ही समाधान निकलने का एकमात्र रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी कहते रहे हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी साथ ही यह भी कहते हैं कि हम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर कोई हमको छेड़ेगा तो

उसे छोड़ेंगे नहीं, इस नीति के माध्यम से वह पाकिस्तान को उरी हमले, पुलवामा हमले और पहलगाम हमले का करारा जवाब दे चुके हैं। देखा जाये तो दुश्मन को सबक सिखाने का मोदी का जो फॉर्मूला है वह अधिक प्रभावकारी है। हाल ही में जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तो पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी ठिकानों पर ही कार्रवाई की गयी थी। भारत ने अपने बयान में साफ कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाइयां सटीक, लक्षित और गैर-उकसावे वाली थीं। इसका मतलब है कि हमलों को सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और सीमित रखा गया था और उनका उद्देश्य केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तान के आम अवाम को नुकसान पहुँचाना था। इसी मोदी मॉडल पर चलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर लक्षित कार्रवाई करते हुए सिर्फ उसके तीन बड़े परमाणु ठिकानों को ही उड़ाया। इसके अलावा, जिस तरह पाकिस्तान के डीजीएमओ के संघर्षविराम प्रस्ताव को मानते हुए भारत भी शांति के लिए राजी हो गया था उसी प्रकार ट्रंप भी ईरान और इजराइल की ओर से संपर्क किये जाने पर दोनों को युद्धविराम के लिए समझाने में सफल रहे। देखा जाये तो आज का युग वाकई पूर्ण युद्ध का नहीं है अगर कोई देश किसी अन्य देश की संप्रभुता पर हमला करता है तो उसका जवाब लक्षित कार्रवाई से ही दिया जाना चाहिए क्योंकि पूर्ण युद्ध दोनों पक्षों के लिए तो विनाश लाता ही है साथ ही दुनिया पर भी इसका विपरीत असर पड़ता है। इस समय जो युद्ध दुनिया में चल रहे हैं या जिनमें युद्धविराम हो गया है वह भी यही संदेश दे रहे हैं कि बड़ी शक्तियों को छोटे देशों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उदाहरण के लिए- अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सैन्य बेस पर हमला करने की अपनी क्षमता साबित कर दुनिया को अपनी ताकत दिखा दी है। रूस ने यूक्रेन को सप्ताह भर में ही अपना बना लेने का सपना देखा था लेकिन युद्ध को साढ़े तीन वर्ष हो चुके हैं और कोई बड़ी सफलता दोनों पक्षों को अब तक नहीं मिली है। इसी प्रकार इजराइल ने हमास को भले घुटनों के बल ला दिया हो लेकिन अक्टूबर 2023 से अब तक निरंतर किये जा रहे हमलों के बावजूद वह गाजा पर पूरी तरह कब्जा नहीं कर सका है और अपने कई बंधकों को भी हमास की कैद से नहीं छुड़ा सका है। इसी प्रकार भारत ने भले ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया हो लेकिन पाकिस्तान ने तुर्की, चीन और अजरबैजान जैसे अपने सहयोगियों से मिली मदद की बदौलत पलटवार करने की हिम्मत दिखाई। बहरहाल, उक्त उदाहरणों को देखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि विश्व में शांति के लिए सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात मानें और युद्ध के मैदान से नहीं बल्कि वार्ता की टेबल पर मुद्दों का हल निकालें। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया में स्थायी शांति का अगर कोई फॉर्मूला है तो वह मोदी फॉर्मूला ही है जिस पर अब ट्रंप भी चलने लगे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि अन्य लोग भी इसी राह पर चलेंगे।

नफरत, युद्ध और कराहती मानवता

संजीव ठाकुर

विश्व युद्ध की आशंका से पूरी दुनिया की मानवता पूरी तरह से सहमी हुई है। रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास-फिलिस्तीन युद्ध और अब इसराइल ईरान अमेरिका का भयावह संग्राम पता नहीं पृथ्वी और उसके निवासियों को किस अशांति और हिंसा की दिशा में ले जाएगा ? भारत ने पहलगाम में आतंकवादी हमले से 27 निरीह लोगों की हत्या के परिणाम स्वरूप जवाबी कार्रवाई पर ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों तथा लगभग 21 हवाई ठिकानों को नष्ट करना पड़ा तब जाकर पाकिस्तान घुटनों पर आया और संधि वार्ता के लिए रहम की भीख मांगता रहा। इसराइल पर हमास ने आतंकवादी हमला कर 1200 लोगों की जान ले ली उसे आतंकवादी हमले के जवाब में इजरायल हमास तथा गाजा पट्टी को समूल नष्ट करने पर उतारू है और वर्तमान स्थिति में इजरायल ईरान और अमेरिका के महायुद्ध ने वैश्विक परिदृश्य में पूरी दुनिया को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु ईंधन संग्रहण ठिकानों पर बुरी तरह से हमला करके ईरान इजरायल युद्ध में आग में घी का काम कर दिया, जवाब में ईरान ने इजरायल के 14 शहरों में अपनी बैलिस्टिक टारगेटेड मिसाइल से हमला करके अपनी युद्ध नीति के जारी रखने की नियत को स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका के इजरायल की तरफ से ईरान पर अनावश्यक आक्रमण से ईरान की तरफ से अब उत्तर कोरिया, रूस और चीन भी इस महासंग्राम में शामिल होते दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तरफ रूस ने यूक्रेन पर अपनी विस्तारवादी सनक के कारण ताबड़तोड़ हमले किये, ताजा स्थिति में जब यूक्रेन के सैकड़ो ड्रोन अटैक से उसके कई फाइटर जेट नष्ट हुए हैं। नतीजतन रूस ने भी यूक्रेन पर लगातार श्रृंखला में आक्रमण शुरू कर दिया है। किसी देश की विस्तारवादी लालसा को भी आतंकवाद की श्रेणी में रखा जा सकता है,

अपनी भौगोलिक सीमाओं का विस्तार भी आतंकवाद है।

अपनी भौगोलिक सीमाओं को आगे ले जाना और अपनी देश की पड़ोसी देश की इच्छा के विरुद्ध उसे पर हमला करना भी एक तरह का राजनीतिक आतंकवाद ही है। इन सब के प्रणाम स्वरूप विश्व युद्ध को विकल्प के तौर पर नहीं माना जाना चाहिए विश्व युद्ध मानवता के लिए एवं मानवीय जगत के लिए अभिशाप भी माना जाता है। हमलायुद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चिंतन में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इसराइल हमास युद्ध में हजारों लोगों की जानें चली गई और लाखों फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, ईरानी राष्ट्रपति रईस की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत भी इसराइल की प्रति हिंसा का परिणाम माना जा रहा है विस्तृत जांच होना शेष है ।युद्ध अभी तक थमा नहीं है युद्ध की चिंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती नजर आ रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध कि इतने दिनो से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं है। रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया है। रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है, 3 सालों में युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोटे देश को जीत नहीं पाया है यूक्रेन भी अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं।40 हजार इमारतें बर्बाद हुई 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। ईसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 हजार सैनिक युद्ध में मारे गए है ।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं।

रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नैटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शाबाशी देते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बबार्दी के कगार पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेडल को बेचने का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रेड क्रॉस को प्रदान करेगा। पत्रकार ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का रूस की जनता अंदरूनी तौर पर विरोध करती है एवं भारी असंतोष भी है। मैं आपको रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि का इतिहास बताता हूं।

यूक्रेन एक छोटा सा राज्य है, उसकी सैन्य शक्ति भी इतनी क्षमतावान नहीं है कि रूस या अन्य शक्तिशाली देश का सैन्य मुकाबला कर सके,पर अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो के 30 देशों के बहकावे में आकर उसने रूस को नाराज करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन को यकीन था कि रूस के आक्रमण के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और नाटो के कई देश उसकी रक्षा करेंगे, पर ताकतवर,शक्तिमान रूस के हमले के सामने ना तो अमेरिका ने अपना सैन्य आक्रमण किया ना ब्रिटेन ने अपनी सेना ही भेजी और ना ही अन्य नाटो देश में रूस के खिलाफ किसी तरह की जंग ही की है ,केवल दूर से बैठकर समझौते करने की बात करते रहे और रूस के आक्रमण की निंदा ही की है। यह आलेख लिखते तक रूस ने कीव पर कब्जा भी कर लिया होगा और उसके समस्त एयर बेस सैनिक अड्डों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन का एयर डिफेंस पूरी तरह चरमरा गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने सभी सैनिक हवाई अड्डों पर रॉकेट लॉन्चर दाग कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया है, यूक्रेन के लगभग 40 सैनिकों को मार भी गिराया है, इसमें 10 निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं। रूस ने दावा किया था कि वह नागरिक ठिकानों पर बमबारी नहीं करेंगा पर मिसाइल तथा गोलियां सैनिकों तथा नागरिकों को अलग-अलग नहीं पहचानती है, और यही वजह है कि सैनिकों के साथ नागरिक भी मारे गए। वर्ष 1914 में यूक्रेन से रूस ने क्रीमिया को अलग कर अपने अधिपत्य में ले लिया था। रूस का कहना है कि अमेरिका ब्रिटेन और नाटो देश यूक्रेन को एक न्यू क्लियर सामरिक अड्डा रूस के खिलाफ बनाने की तैयारी कर चुके हैं, और इन सभी देशों के साथ यूक्रेन भी रूस की प्रतिरक्षा प्रणाली को बहुत बड़ा खतरा बन गया है। यूक्रेन पर अमेरिकी प्रशासन का पूरा पूरा नियंत्रण है, यूक्रेन प्रशासन केवल कठपुतली मात्र है। इसे संचालित करने वाला अमेरिका तथा ब्रिटेन ही है।

वर्तमान युद्ध परिदृश्य में शांति की अवधारणा

(विवेक रंजन श्रीवास्तव)

शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात एक नए शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के उदय की आशा थी। परन्तु इक्कीसवीं सदी के इस तीसरे दशक में दुनियां एक विडंबनापूर्ण वास्तविकता के समक्ष आ खडी हुई है ।ऐसा युग जहाँ अंतसंबंध और तकनीकी प्रगति की अभूतपूर्व ऊँचाइयों के बावजूद, युद्ध और संघर्ष पहले से कहीं अधिक व्यापक हैं। रूस यूक्रेन में चार साल से युद्ध, इजराइल और फिलिस्तीन के बीच अत्यधिक हिंसक और जटिल संघर्ष, अफ्रीका के विभिन्न क्षेत्रों में जारी गृहयुद्ध, एशिया में तनावपूर्ण सीमा विवाद, और सीरिया, यमन जैसे देशों में अभी भी चल रहे संकट के बीच ईरान इजराइल युद्ध में अमेरिका की एंट्री से विश्व शांति पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। भारत पाकिस्तान तनाव, चीन ताइवान , कोरिया तथा ऐसे ही अन्य विवाद एक ऐसी कठोर वास्तविकता की ओर इंगित करते हैं जहाँ स्थाई वैश्विक शांति एक दूर का, अस्पष्ट सा लगने वाला लक्ष्य प्रतीत होता है। वर्तमान युद्ध परिप्रेक्ष्य की जटिलताओं और उसके सामूहिक प्रयासों से वैश्विक शांति की ओर बढ़ने की चुनौतियों पर विचार और गंभीर काम करना अत्यंत प्रासंगिक है ।आज के युद्धों की प्रकृति पारंपरिक सीमाओं को लांघ चुकी है। वे केवल दो राष्ट्रों के बीच सीमित संघर्ष नहीं रहे। इनमें प्रॉक्सी युद्धों का बोलबाला है, जहाँ महाशक्तियाँ अन्य देशों या समूहों के माध्यम से अपने हित साधती हैं, जैसा सीरिया या यमन में देखा गया। असममित युद्ध तकनीक का प्रयोग बढ़ा है, जहाँ छोटे समूह या गैर-राज्य बड़ी सेनाओं के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध और आतंकवादी हमलों का सहारा लेते हैं। साइबर युद्ध एक नया और खतरनाक मोर्चा खोल चुका है, जिसमें बुनियादी ढांचे पर हमले, विघटनकारी प्रचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा शामिल है। सूचना युद्ध, झूठी खबरों और प्रोपेगैंडा के माध्यम से जनमत को प्रभावित करने और विभाजित करने का प्रयास करता है। ये सभी पहलू युद्ध को और अधिक विनाशकारी, टिकाऊ और समाधान के लिए दुर्गम बना देते हैं। इन संघर्षों के मूल में अनेक जटिल और अक्सर गुंथे हुए कई कारण निहित हैं। भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, विशेष रूप से अमेरिका और चीन के बीच, तथा रूस की पश्चिम के साथ बढ़ती टकराहट, अंतरराष्ट्रीय तनाव का प्रमुख स्रोत है। ये प्रतिस्पधाएँ व्यापार, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए हैं, जो अक्सर अन्य देशों में संघर्षों को हवा देती हैं। संसाधनों पर नियंत्रण चाहे वह तेल, गैस, खनिज हों या पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ, भीषण संघर्षों को जन्म देते रहे हैं।

पहचान की राजनीति ,जातीय, धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान पर आधारित गहरे विभाजन और वैमनस्य अक्सर हिंसा को ईंधन देते हैं, जैसा म्यांमार में रोहिंग्या संकट या अफ्रीका के कई हिस्सों में देखा जा सकता है। आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर संस्थान, भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता गृहयुद्धों और राज्य-विफलता को जन्म देते हैं। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन एक और खतरे के रूप में उभरा है, जो संसाधनों की कमी पैदा करके और पलायन को बढ़ावा देकर मौजूदा तनावों को बढ़ाता है और नए संघर्षों का कारण बनता है। इस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में वैश्विक शांति की अवधारणा और उसकी प्राप्ति एक कठिन कार्य है। शांति का अर्थ अब केवल गोलाबारी का बंद होना नहीं रह गया है। एक सकारात्मक, गतिशील और न्यायपूर्ण स्थिति आवश्यक है, जिसमें संघर्षों को शांतिपूर्ण तरीकों से हल करने की व्यवस्थाएँ हों, मानवाधिकारों का सम्मान हो, सामाजिक न्याय हो और टिकाऊ विकास के अवसर हों। हालाँकि, वर्तमान व्यवस्था इस दिशा में गंभीर बाधाएँ प्रस्तुत करती है। बहुपक्षीय संस्थान, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अक्सर महाशक्तियों के वीटो के कारण गतिरोध का शिकार हो जाते हैं और प्रमुख संकटों में कारगर हस्तक्षेप करने में अक्षम साबित होते हैं।

आईआईटी बॉम्बे में पढ़ रहा था और कैंपस में रह रहा था बिलाल

फिर निकला फर्जी, अब फरार छात्र को तलाश रही मुंबई पुलिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: आईआईटी बॉम्बे से एक बड़ी खबर सामने आई है। पवई पुलिस ने एक युवक का नाम बिलाल अहमद तेली है। आरोप है कि युवक ने खुद को आईआईटी बॉम्बे कैंपस का छात्र बताया। इतना ही नहीं वह लगातार क्लासेस भी अटेंड कर रहा था। एक टीचर को शक हुआ और उन्होंने जब उसका आई कार्ड चेक किया तब खुलासा हुआ। बिलाल 22 साल का है और मंगलुरु का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, बिलाल 4 जून से आईआईटी कैंपस में रह रहा था। कई प्रोफेसरों ने उसे क्लास में देखा। एक प्रफेसर को कुछ शक हुआ और उन्होंने बिलाल से उसका पहचान पत्र दिखाने को कहा। इस पर वह भाग गया। प्रोफेसर ने तुरंत सुरक्षा अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। 19 जून को सुरक्षा अधिकारियों ने बिलाल को पकड़ लिया और उसे पवई पुलिस के हवाले कर दिया। डीसीपी (जोन एक्स) दत्ता नलावडे ने बताया कि उन्हें युवक के बारे में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि उसने बताया कि वह आईआईटी कैंपस में एक दिन के स्टडी प्रोग्राम में भाग लेने आया था। लेकिन फिर उसने इंजीनियरिंग के लेक्चर अटेंड करने के लिए वहीं रुकने का फैसला किया। वह क्लास अटेंड करता था और वहीं रहता था। आईआईटी-बी के एक सुरक्षा अधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि 4 जून को हमें सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति बिना अनुमति के ऑफिस में घुस गया है। जब उससे पहचान पत्र दिखाने को कहा गया, तो वह भाग गया।

महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने का अजित पवार ने किया विरोध

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने का विरोध किया है। उनका मानना है कि हिंदी पांचवीं कक्षा से शुरू होनी चाहिए। पवार ने कहा कि छात्रों को पहली कक्षा से मराठी सीखनी चाहिए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य के स्कूलों में पहली कक्षा से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को शामिल करने का विरोध किया है।

उनका कहना है कि हिंदी को पांचवीं कक्षा से पढ़ाया जाना चाहिए। पवार ने यह भी कहा कि छात्रों को पहली कक्षा से ही मराठी सीखनी चाहिए ताकि वे इसे अच्छी तरह से पढ़ और लिख सकें। दरअसल राज्य सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया था।

इसमें कहा गया है कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। इसके बाद इस पर विवाद हो गया। अजित पवार ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाई थी। पवार का मानना है कि हिंदी को पहली कक्षा से चौथी कक्षा तक शुरू नहीं किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, इसे पांचवीं कक्षा से शुरू करना बेहतर होगा। उनका जोर इस बात पर है कि छात्रों को पहली कक्षा से मराठी सीखनी चाहिए। वे चाहते हैं कि बच्चे मराठी को धाराप्रवाह पढ़ने और लिखने में सक्षम हों। पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि वे किसी भी भाषा को पढ़ाने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन उनका मानना है कि छोटे बच्चों पर शुरूआती दौर में ही एक अतिरिक्त भाषा का बोझ डालना ठीक नहीं है। उनका कहना है कि बच्चों को पहले अपनी मातृभाषा पर ध्यान देना चाहिए। राज्य सरकार ने जो आदेश जारी किया है। उसके अनुसार हिंदी अनिवार्य नहीं होगी। लेकिन अगर स्कूल में हिंदी के अलावा कोई और भाषा पढ़ानी है, तो उसके लिए हर कक्षा में कम से कम 20 छात्रों की सहमति जरूरी होगी। सरकार का कहना है कि वे छात्रों पर कोई भाषा थोपना नहीं चाहते। इस बीच अभिनेता सयाजी शिंदे ने भी पहली कक्षा से हिंदी पढ़ाने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि छात्रों को मराठी सीखने की अनुमति दी जानी चाहिए। शिंदे का मानना है कि मराठी एक बहुत ही समृद्ध भाषा है।

उन्होंने कहा कि बच्चों को कम उम्र में ही मराठी में पारंगत होना चाहिए। उन पर किसी अन्य भाषा का बोझ नहीं डालना चाहिए। शिंदे ने भी यही राय दी कि अगर हिंदी को अनिवार्य बनाना ही है, तो इसे पांचवीं कक्षा के बाद ही पढ़ाया जाना चाहिए।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09079/09080 और ट्रेन संख्या 09081/09082 उधना-मिरज आषाढ़ी एकादशी स्पेशल को उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

1. 04 जुलाई, 2025 को उधना स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09079 उधना झमिरज स्पेशल को उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 12.45 बजे उकाई सोनगढ़ स्टेशन पहुंचेगी और 12.47 बजे प्रस?थान करेगी। इसी तरह, 05 जुलाई, 2025 को मिरज स्टेशन से प्रस?थान करने वाली ट्रेन संख्या 09080 मिरज उधना स्पेशल को उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर 02.30 बजे पहुंचेगी और 02.32 बजे प्रस?थान करेगी।

2. 05 जुलाई, 2025 को उधना से प्रस?थान करने वाली ट्रेन संख्या 09081 उधना झ मिरज स्पेशल को उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 12.45 बजे उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर पहुंचेगी और 12.47 बजे प्रस?थान करेगी। इसी तरह, 06 जुलाई, 2025 को मिरज स्टेशन से प्रस?थान करने वाली ट्रेन संख्या 09082 मिरजझउधना स्पेशल को उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन उकाई सोनगढ़ स्टेशन पर 02.30 बजे पहुंचेगी और 02.32 बजे प्रस्थान करेगी ट्रेनों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अवध एक्सप्रेस का जरवल रोड और करनैलगंज स्टेशनों पर ठहराव अस्थायी रूप से वापस लिया गया

मुंबई, पूर्वोत्तर रेलवे पर गोंडा और बाराबंकी खंड के बीच तीसरी लाइन के निर्माण संबंधी कार्य के कारण ट्रेन संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी अवध एक्सप्रेस का जरवल रोड और करनैलगंज स्टेशनों पर ठहराव 28 जून, 2025 से 4 जुलाई, 2025 तक अस्थायी रूप से हटा लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

28 जून, 2025 से 2 जुलाई, 2025 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी अवध एक्सप्रेस जरवल रोड और करनैलगंज स्टेशनों पर नहीं रुकेगी।

30 जून, 2025 से 4 जुलाई, 2025 तक यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस जरवल रोड और करनैलगंज स्टेशनों पर नहीं रुकेगी।

ट्रेनों से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वसूली नहीं कर पाए तो पिता-पुत्री की अश्लील मॉर्फ्ड तस्वीरें बनाकर की पोस्ट, मुंबई में लोन ऐप वालों की करतूत

मुंबई: गोरगांव (पश्चिम) की रहने वाली एक युवती से फर्जी लोन ऐप के जरिए न केवल पैसे वसूलने की कोशिश की गई, बल्कि उसे और उसके पिता को बदनाम करने के लिए अश्लील मॉर्फ्ड तस्वीरें भी वायरल कर दी गईं। साइबर फ्रॉड का यह मामला बोरिवली के एमएचबी कॉलोनी पुलिस स्टेशन में आया है, जहां पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ पुलिस केस दर्ज कर छानबीन में जुट गई है। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पिता को 15 हजार रुपये की जरूरत थी। इसकी जानकारी उसको भी थी।

मध्य रेल के उपनगरीय ट्रेनों के प्रथम श्रेणी के डिब्बों में केंद्रित टिकट जाँच अभियान को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली

यात्रियों ने रेलवे के प्रयासों की सराहना की और आभार व्यक्त किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने यात्रियों की संरक्षा और आराम को प्राथमिकता देते हुए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक साहसिक और निर्णायक कदम उठाते हुए, अनियमित यात्रा को रोकने और अपने प्रथम श्रेणी के उपनगरीय यात्रियों के मानकों को बनाए रखने के लिए सोमवार, दिनांक 16 जून 2025 से उपनगरीय ट्रेनों के प्रथम श्रेणी के डिब्बों में केंद्रित टिकट जाँच अभियान चलाया।प्रथम श्रेणी के डिब्बों में अनधिकृत यात्रा के बारे में लगातार प्राप्त शिकायतों के जवाब में, मुंबई मंडल के टिकट जाँच दस्तों को आरपीएफ कर्मियों के साथ व्यस्त समय के दौरान उपनगरीय लोकल ट्रेनों के प्रथम श्रेणी के डिब्बों के अंदर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया था। सुबह और शाम के व्यस्त समय में मेन लाइन, हार्बर लाइन और ट्रांस-हार्बर लाइनों की ट्रेनों में प्रथम श्रेणी के डिब्बों में जाँच की गई।औसतन 41 टिकट जाँच कर्मियों और 7 आरपीएफ कर्मियों वाली विशेष टीम ने दिनांक 16.06.2025 से 24.06.2025 तक 103 उपनगरीय सेवाओं में जाँच की। अनियमित यात्रा के कुल 984 मामले पकड़े गए और 3.18 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया।इस पहल का एक प्रमुख परिणाम यह रहा कि जिन ट्रेनों में जाँच की गई, उनमें अनियमित यात्रा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई, जो कोच में टिकट जाँच कर्मचारियों की स्पष्ट उपस्थिति और टिकट खिड़की की बिक्री से राजस्व में 10% से ज्यादा वृद्धि द्वारा बनाए गए मजबूत निवारक प्रभाव को दशार्ता है।

निरीक्षण अवधि के दौरान प्रथम श्रेणी में अनियमित यात्रा से संबंधित शिकायतों में भी उल्लेखनीय कमी आई। उत्साहजनक प्रतिक्रिया देते हुए, कई प्रथम श्रेणी के यात्रियों ने रेलवे के सक्रिय प्रयासों की सराहना की और कई ने अनधिकृत यात्रियों की पहचान करने और जुमार्ना वसूलने में सहायता करने के लिए तैनात टिकट-जांच कर्मचारियों का समर्थन भी किया। मध्य रेल सभी यात्रियों से वैध टिकट या पास के साथ यात्रा करने और सभी के लिए एक सुगम और निष्पक्ष यात्रा में योगदान देने की अपील करता है।

मध्य रेल, मुख्यालय, मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 189वीं बैठक संपन्न

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल मुख्यालय पर दिनांक 25.06.2025 को महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना जी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 189वीं बैठक का आयोजन किया गया।बैठक की शुरूआत करते हुए मध्य रेल के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री चंद्र किशोर प्रसाद ने सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महाप्रबंधक ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हरसंभव प्रयास करने होंगे । तत्पश्चात मुख्य राजभाषा अधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए मध्य रेल पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे कार्यों का संक्षिप्त में ब्योरा दिया।बैठक की कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए सदस्य सचिव एवं उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. विभावरी गोरे ने सदस्यों के समक्ष जनवरी से मार्च 2025 को समाप्त तिमाही की रिपोर्ट प्रस्तुत की । बैठक में उपस्थित मंडलों, कारखानों एवं प्रशिक्षण संस्थान से उपस्थित सदयों नें राजभाषा के प्रसार हेतु अपने मूल्यवान सुझाव दिए ।इस अवसर पर महाप्रबंधक, मध्य रेल द्वारा ई-पत्रिका रेल-सुरभि, अंक - 42 का विमोचन भी किया गया।बैठक के अंत में वरिष्ठ

राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय) श्रीमती दीपा मंदयान नें बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन दिया ।इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री प्रतीक गोस्वामी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

मुंबई और पुणे से श्रावण विशेष ज्योतिर्लिंग घरेलू हवाई यात्रा पैकेज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। यह ऑनलाइन रेलवे टिकट बुकिंग, खानपान, पर्यटन, रेल नीर और आतिथ्य सेवाओं सहित कई तरह की सेवाएँ प्रदान करता है। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम का उद्देश्य भारत भर में यात्रा को हर यात्री के लिए अधिक सुविधाजनक, आनंददायक और किफायती बनाना है। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) - पश्चिम क्षेत्र अपने श्रावण विशेष आध्यात्मिक पर्यटन की शुरूआत की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जो भक्तों को श्रावण के शुभ महीने के दौरान पवित्र ज्योतिर्लिंगों की आत्मा को समृद्ध करने वाली यात्रा पर निकलने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। श्री गौरव झा समूह महाप्रबंधक, पश्चिम क्षेत्र मुंबई ने कहा कि यात्राएँ मुंबई और पुणे से शुरू होंगी, जिसमें द्वारका-सोमनाथ, महाकालेश्वर - ओंकारेश्वर; काशी विश्वनाथ - बैद्यनाथ जैसे प्रतिष्ठित आध्यात्मिक स्थलों की एक क्यूरेटेड यात्रा शामिल होगी, जिससे यात्रियों को ज्योतिर्लिंगों के दिव्य आशीर्वाद का अनुभव करने का मौका मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और बजट-अनुकूल तीर्थयात्रा अनुभव प्रदान करके बढ़ते आध्यात्मिक पर्यटन खंड को पूरा करना है। प्रत्येक यात्रा को श्रावण के धार्मिक महत्व के साथ संरेखित करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है - हिंदू कैलेंडर में एक पवित्र महीना जो भक्ति, अनुष्ठान और आध्यात्मिक पालन के लिए जाना जाता है।

द्वारका और सोमनाथ यात्राएँ:

यात्रा तिथि: मुंबई से 31.07.25 और 14.08.25 पुणे से 10.08.25 को अवधि: 3 रातें और 4 दिन,

पैकेज लागत: ट्विन शेयरिंग के आधार पर प्रति व्यक्ति 26700 रुपये 1.

महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर यात्रा

यात्रा तिथि: मुंबई और पुणे से दिनांक 14.08.25 को अवधि: 3 रातें और 4 दिन

पैकेज लागत: ट्विन शेयरिंग के आधार पर प्रति व्यक्ति 28500 रुपये।

काशी विश्वनाथ और बैद्यनाथ यात्रा।

यात्रा तिथि: मुंबई से दिनांक 7.08.25 को अवधि: 2 रातें और 3 दिन

पैकेज लागत: ट्विन शेयरिंग के आधार पर प्रति व्यक्ति 28000 रुपये ।

माना जाता है कि ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के स्वयंभू रूप हैं, और उनकी दिव्य ऊर्जा के शक्तिशाली केंद्र माने जाते हैं। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है और इस दौरान ज्योतिर्लिंगों की पूजा करने से ग्रह दोषों (ग्रहों के बुरे प्रभाव) और नकारात्मक कर्मों को दूर करने में मदद मिलती है। ये पैकेज बहुत अच्छी तरह से डिजाइन किए गए हैं, किफायती हैं और इनमें वापसी की फ्लाइट टिकट, सभी स्थानान्तरण और दर्शनीय स्थल, भोजन, प्रवेश शुल्क, आवास, यात्रा बीमा और जीएसटी शामिल हैं। आईआरसीटीसी श्रावण स्पेशल डोमेस्टिक एयर पैकेज के लिए बुकिंग अब शुरू हो गई है। ग्राहक उपलब्ध पैकेज, मूल्य निर्धारण और बुकिंग प्रक्रियाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक IRCTC वेबसाइट www.irctctourism.comपर जा सकते हैं या पश्चिम क्षेत्र मुंबई कार्यालय 8287931886 (व्हाट्सएप या एसएमएस) से संपर्क कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में बीजेपी नेता के खिलाफ छेड़खानी का केस दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे: महाराष्ट्र के पुणे में बीजेपी नेता पर एक महिला पुलिस अधिकारी को गलत तरीके से छूने का आरोप लगा है। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस ने बीजेपी नेता के खिलाफ छेड़खानी का मामला दर्ज किया है। यह घटना केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यक्रम के दौरान हुई। महिला अधिकारी की कार्यक्रम में ड्यूटी लगी थी। बीजेपी नेता द्वारा महिला अधिकारी के साथ छेड़खानी के खुलासे से हड़कंप मच गया है। पुलिस के मामला दर्ज करने के बाद बीजेपी ने पार्टी के नेता को पद से हटा दिया है। पुणे शहर पुलिस की एक महिला अधिकारी ने बीजेपी के पुणे शहर महासचिव प्रमोद विट्ठल कोंधारे पर छेड़छाड़ के खिलाफ छेड़खानी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार यह घटना केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के शनिवार वाड़ा इलाके के दौरे के दौरान हुई। कस्बा पेठ के भाजपा विधायक हेमंत रासने भी मौजूद थे। ब्रेक के दौरान रासने पार्टी कार्यकर्ताओं और कुछ ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों के साथ पास की एक चाय की दुकान पर गए। इसी समय भीड़ के बीच कोंधारे ने कथित तौर पर महिला इंस्पेक्टर से छेड़छाड़ की। पुणे शहर पुलिस में इंस्पेक्टर की पोस्ट पर तैनात महिला अफसर ने आरोप लगाया है कि बीजेपी नेता ने एक नहीं बल्कि दो बार छुआ। बीजेपी नेता ने इस तरह छुआ कि वह बहुत अपमानित महसूस कर रही थी। महिला पुलिस इंस्पेक्टर ने तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद यह पूरा मामला पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के पास पहुंचा। पीड़ित पुलिस इंस्पेक्टर की शिकायत के साथ चाय की दुकान की सीसीटीवी फुटेज जांची गई।

पुलिया के नीचे मिले 22 अंडे, 37 दिन बाद उनमें से निकले बेबी पाइथन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: करीब 37 दिन पहले नाले में मिले पाइथन (अजगर) के 22 अंडों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इन सभी अंडों से पाइथन के बच्चे निकले, जिसे बाद में जंगल में छोड़ दिया गया। वन्य जीवों के लिए काम करने वाली संस्था रेसक्विंक एसोसिएशन ऑफ वाइल्ड लाइफ केयर (आरएडब्ल्यूडब्ल्यू) ने बताया कि अजगर के इन अंडों को सेंकने के लिए प्लास्टिक के कंटेनर, मिट्टी, नारियल के छिलके और चारकोल का उपयोग किया गया। जूलोजिस्ट इन 37 दिनों तक तापमान को 21 से 23 डिग्री के बीच रखने में सफल रहे।

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

डि.सीएमई/एमएक्स द्वारा **निविदा सूचना क्रमांक : ईएल90-एमएक्स-2024-25-15-एम दिनांक : 23.06.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम व स्थान : ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी में कॉइल स्प्रिंग्स का डिग्रीसिंग, सफाई, शॉट ब्लास्टिंग, लोड डिफ्लेक्शन परीक्षण, एमपीटी और पेंटिंग कार्य. अनुमानित लागत : रु. 6,16,04,928/-, ईएमडी : रु. 4,58,000/-, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय : 21.07.2025 को 14.00 बजे तक, निविदा खोलने की तिथि व समय :** 21.07.2025 को 14.00 बजे, अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अवश्य जाएं. 0319

Like us on : facebook.com/WesternRly

माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा एक्सीक्यूटिव एवं वीआईपी लॉन्ज का भव्य लोकार्पण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधाओं को विस्तारित करते हुए अत्याधुनिक बनाया जा रहा है। इस क्रम में, बुधवार 25 जून 2025 को भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक्जीक्यूटिव एवं वीआईपी लॉन्ज का भव्य उद्घाटन मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उनके कर-कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के माननीय खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, माननीया महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, तथा माननीय विधायक-उत्तर श्री आतिफ आरिफ अकील, माननीय अध्यक्ष नगर निगम श्री किशन सूर्यवंशी मंच पर विशेष रूप से उपस्थित रहे।रेल प्रशासन की ओर से मंडल रेल प्रबंधक भोपाल श्री देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।साथ ही इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन की ओर से ग्रुप जनरल मैनेजर (मुंबई) भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस लॉन्ज के निर्माण एवं संचालन से संबंधित जानकारी साझा की।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि यह लॉन्ज इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन द्वारा विकसित किया गया है। लगभग 10,693 वर्गफुट में फैले इस आधुनिक लॉन्ज में प्रीमियम श्रेणी की सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जो यात्रियों को रेल यात्रा से पहले और बाद में विश्राम, मनोरंजन और कार्य के लिए एक भव्य एवं अनूठा वातावरण उपलब्ध कराएंगी।

बैठक व्यवस्था एवं विश्राम क्षेत्र:

एक्जीक्यूटिव लॉन्ज में 200 यात्रियों और वीआईपी लॉन्ज में 100 यात्रियों के लिए वातानुकूलित आरामदायक बैठक की व्यवस्था की गई है। 48 लगेज रैक की सुविधा के साथ-साथ तीन 'नैप जोन' भी बनाए गए हैं, जहां यात्रियों को विश्राम हेतु रीक्लाइनर व बेड यूनिट्स उपलब्ध हैं।

मुख्य सुविधाएं:

पूरे लॉन्ज को पूर्णतः वातानुकूलित किया गया है। इसमें यात्रियों के लिए आरामदायक सोफा, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, वाई-फाई कनेक्टिविटी, संगीत एवं टेलीविजन, शौचालय, स्नानगृह, मेकअप मिरर, हैंड ड्रायर, वॉश एंड चेंज जैसी अत्याधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

प्रवेश शुल्क एवं रिफंडेबल डिपॉजिट:

एक्जीक्यूटिव लॉन्ज: ?50 प्रति व्यक्ति प्रति घंटा। आगंतुकों को एक वेलकम ड्रिंक (चाय/कॉफी) निःशुल्क दी जाएगी।

वीआईपी लॉन्ज: ?100 प्रति व्यक्ति प्रति घंटा , इसमें अपग्रेडेड सुविधाएं जैसे रीक्लाइनर, स्नैकिंग आइटम्स (समोसा/वड़ा) और गेम एक्टिविटी भी शामिल हैं।

वैकल्पिक प्रीमियम सेवाएं (सशुल्क):

लगेज हैंडलिंग, प्रिंट/स्कैन सेवाएं, वॉश एंड चेंज सुविधा, कॉन्फ्रेंस एवं मीटिंग एरिया, यात्रा एक्सेसरीज, नियमित व विशेष बुफे आदि यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुलभ कराई गई हैं।यह लॉन्ज न केवल भोपाल स्टेशन पर रेल यात्रियों के अनुभव को समृद्ध करेगा, बल्कि यह पूरे पश्चिम मध्य रेलवे के लिए गौरव का विषय है। ऐसे प्रयास यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और सुखद यात्रा का अनुभव प्रदान करने में मील का पत्थर सिद्ध हो रहे हैं।

करंट लगने से किसान की मौत

जेवर, ग्रेटर नोएडा के अनवरगढ़ गांव में बिजली विभाग की लापरवाही से एक किसान की जान चली गई। अनीस (40) अपने घेर में काम कर रहे थे।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: ईपीएस/82/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेण्डर नं	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा
1	8124WCR TP-70A	रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर मैन्युफैक्चरिंग एंड सप्लाई ऑफ PRESTRESSED मोनो-ब्लॉक कांक्रीट लाइन स्लीपर्स (RT-8746)	2310725 नंबर्स
2	38252317A	एडाप्टर (नैरो जॉव (JAW)) क्लास E6"x11"	113100 नंबर्स
3	20255016	IGBT बेस्ड 3x130 KVA auxiliary कनवर्टर कम्पलीट	2 सेट
4	20255014	कंप्यूटर कंट्रोल्ड ब्रेक सिस्टम	2 सेट
5	50253054	लौ (LOW) मेंटेनेंस लीड एसिड सेकेंडरी सेल	358 सेट
6	38251714	नई doorway स्टिफनिंग क्रॉसबार	10117 नंबर्स
7	38252121	साइड फ्रेम key फॉर CTRB (for CASNUB बोगीज विथ नैरो एवं वाइड जॉव अडाप्टर्स	173265 नंबर्स

खोलने की तिथि: क्रमांक 1,2: **15.07.2025,** क्रमांक 3,4: **18.07.2025,** क्रमांक 5: **19.07.2025,** क्रमांक 6: **01.08.2025,** क्रमांक 7: **06.08.2025**. 50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

जमील शेख हत्याकांड में नजीब मुल्ला ने आरोपों को किया खारिज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,राबोड़ी में दिन दहाड़े गोली मारकर हुए जामील शेख हत्या काण्ड में आज पूर्व नगर सेवक नजीब मुल्ला से कहा है कि मेरी छवि खराब करने के लिए मेरा नाम जोड़ने का एक नेता के इशारे पर किया जा रहा है। जिसके लिए आज मुझे मिडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखना पड़ा है। उन्होंने राकांपा अजीत पवार गुट के जिला अध्यक्ष नजीब मुल्ला ने कहा कि राबोडी में जमील शेख हत्याकाण्ड के बारे में मृतक की पत्नी की ओर मुख्य आरोपी के विडिओ जारी कर मुझे बदनाम करने की कोशिश की गयी।

बंगले बैठा एक नेता के इशारे पर मुझे बदनाम किया गया। इसलिए आज मैं एक विडिओ मुख्य आरोपी ओसामा का सच्चा विडिओ जारी कर रहा हूँ जिसमें सचाई सामने है। मुझे पोस्ट से दो विडिओ पेन ड्राईव में आया था जिसे मैंने जांच के लिए पुलिस को दिया है। वह कोर्ट में पेश किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। जमील शेख मेरा सहयोगी था उसके परिवार के साथ मेरी हमदर्दी है। वह परिवार किसी का मोहरा न बने यही मेरी सलाह है। राजनितिक कारणों से मेरा चरित्र हनन और बदनाम करने की साजिश की जा रही है। मेरे और मेरे सहयोगी पर लगाये जा राजे आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं। मामले की पुलिस जांच की है और आरोपी जेल में हैं। मैं पुलिस की निष्पक्ष जांच के लिए आभार व्यक्त कर रहा हूँ।

घोड़बंदर रोड पर सिग्नल के पास पायलट आधार पर रैम्बलर लेन का उपयोग किया जाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मनपा आयुक्त सौरभ राव ने घोड़बंदर रोड पर पांच ट्रैफिक सिग्नल के पास पायलट आधार पर रैम्बलर (गति नियंत्रण लेन) स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो घोड़बंदर रोड पर सभी सिग्नल पर इन्हें लागू किया जाएगा। जस्टिस फॉर घोड़बंदर रोड के प्रतिनिधियों ने विचार व्यक्त किया कि दुर्घटनाओं से बचने के लिए सिग्नल के पास वाहनों की गति कम करके भारी वाहनों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। इस सुझाव को अपनाने के लिए मनपा के लोक निर्माण विभाग और यातायात पुलिस को संयुक्त रूप से पांच स्थानों का चयन करना चाहिए। आयुक्त राव ने निर्देश दिया कि यह व्यवस्था वहां प्रायोगिक तौर पर की जानी चाहिए। यह प्रयोग करते समय, चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर आदि को वैज्ञानिक तरीके से इस तरह से बनाया जाना चाहिए कि वाहन चालकों को दिखाई दे। आयुक्त राव ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा निर्धारित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। घोड़बंदर रोड और आसपास के क्षेत्र में नागरिक कार्यों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को मनपा आयुक्त कार्यालय में घोड़बंदर रोड के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, शहर अभियंता प्रशांत सोनागरा, शहर नियोजन के सहायक निदेशक संग्राम कनाडे, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षक अभियंता सिद्धार्थ तांबे, पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट, उपनगरीय अभियंता विकास ढोले, सुधीर गायकवाड़, घोड़बंदर रोड के समन्वय अधिकारी शुभांगी केसवानी और कार्यकारी अभियंता संजय कदम के साथ एमएमआरडीए और मेट्रो के अधिकारी शामिल थे।

इस बैठक में प्रतिनिधियों ने वाघबिल में आंतरिक सड़क, भयंदरपाड़ा और साईनगर में सर्विस रोड की खराब स्थिति, रोजा गार्डेनिया में प्रस्तावित ट्रैफिक आइलैंड जैसे मुद्दे उठाए। इस पर आयुक्त राव ने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उसे लागू करने के निर्देश दिए। आयुक्त राव ने यह भी कहा कि नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, मेट्रो और एमएमआरडीए को संयुक्त रूप से सड़कों पर अवरोध, तार, अनावश्यक बैरिकेड आदि हटाने के लिए व्यापक स्वच्छता अभियान (डीप क्लीन ड्राइव) चलाना चाहिए। इस बैठक में परिवहन पुलिस, परिवहन विभाग और नगर निगम के माध्यम से ठाणे नगर निगम क्षेत्र में सभी रिक्शा स्टैंड का संयुक्त सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया। पुलिस उपायुक्त (परिवहन) पंकज शिरसाट ने कहा कि रिक्शा स्टैंड के स्थान निर्धारित और विनियमित किए जाएंगे।

फास्ट ट्रैक

मध्य रेल सोलापुर मंडल से होकर चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएं जारी रखेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए सोलापुर मंडल से होकर चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएं जारी रखेगा, जैसा कि नीचे दिए गए विवरण में बताया गया है:

- ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई साप्ताहिक स्पेशल, जो 24.06.2025 तक प्रत्येक मंगलवार को चलने के लिए अधिसूचित है, अब 30.09.2025 तक चलती रहेगी।
- ट्रेन संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई-सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल, जो 25.06.2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलने के लिए अधिसूचित है, अब 1.10.2025 तक चलती रहेगी।

30.06.2025 तक प्रतिदिन चलने के लिए अधिसूचित निम्नलिखित दैनिक ट्रेनें 30.09.2025 तक जारी रहेंगी

- ट्रेन संख्या 01461/01462 सोलापुर-दौंड अनारक्षित दैनिक स्पेशल
- ट्रेन संख्या 01465/01466 सोलापुर-कलबुर्गी अनारक्षित दैनिक स्पेशल
- ट्रेन संख्या 01487/01488 पुणे-हरंगुल दैनिक स्पेशल

उपर्युक्त ट्रेनों के समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

आरक्षण और टिकटिंग: विशेष ट्रेनों की यात्राओं के लिए विशेष शुल्क पर आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध होगा।

अनारक्षित कोचों की बुकिंग स्टेशनों पर बुकिंग काउंटरों और यूटीएस ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने के लिए वैध टिकिट के साथ यात्रा करें। इस विशेष ट्रेन के ठहरावों की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

35 गौशालाओं को पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग में पंजीकरण के लिए आवेदन करने वाली गौशालाओं को आधिकारिक पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरित करने का समारोह जिला परिषद सभागार में आयोजित किया गया। 8से डरने 35 गौशालाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र वितरित किए गए हैं।इस कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, क्षेत्रीय संयुक्त आयुक्त पशुपालन डॉ. प्रशांत कांबले, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अजिंक्य पवार, जिला उपायुक्त पशुपालन डॉ. वल्लभ जोशी, जिला पशुपालन अधिकारी डॉ. कीर्ति दोईजोडे के साथ-साथ तालुका स्तर के पशु चिकित्सा अधिकारी, गौशाला प्रबंधक और प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने कहा कि जिला परिषद ठाणे ने हमेशा सामाजिक सहभागिता के माध्यम से कार्यान्वित की जाने वाली ऐसी पशुपालन पहलों का समर्थन किया है। पशुधन के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ, विभिन्न उत्पादों का उत्पादन करके गौशालाओं को आत्मनिर्भरता और आय वृद्धि प्राप्त करने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। पशुपालन विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रशांत कांबले ने मार्गदर्शन करते हुए कहा कि गोशालाओं को न केवल पशु पालन करना चाहिए, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का भी प्रयास करना चाहिए। उन्हें गोमूत्र, गोबर, जैविक खाद, बायोगैस, औषधीय उत्पाद और डेयरी उत्पादों से उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय और राज्य स्तरीय बाजार बनाने पर ध्यान देना चाहिए। यही सच्ची ग्रामीण उद्यमिता है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार ने उपस्थित प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि गोशालाओं को गोमूत्र, गोबर, खाद, बायोगैस, औषधीय साबुन और प्राकृतिक खाद तैयार करने और उन्हें स्थानीय बाजारों में बेचने की पहल करनी चाहिए। इससे न केवल गोशालाओं का आर्थिक स्तर बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनका सकारात्मक प्रभाव भी बढ़ेगा। यह कार्यक्रम जिला परिषद ठाणे के पशुपालन विभाग के योजनाबद्ध कार्यान्वयन का एक अच्छा उदाहरण बन गया है, और यह आशा की गई कि जिले की अन्य गोशालाएं भी इसी तरह की पहल करेंगी। पशुधन पर्यवेक्षक, जिला पशुपालन उपायुक्त कार्यालय, ठाणे अक्षदा गायकवाड़ ने कार्यक्रमों का परिचय दिया, जबकि पशुधन विकास अधिकारी डॉ. दर्शन दलवी ने आभार व्यक्त किया।

अंबरनाथ नपा में 52 सफाई कर्मचारियों को वंशानुगत आधार पर प्रति नियुक्ति पत्र दिया गया

आमदार डॉ.बालाजी किणीकर व नपा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण।

लाड़ समिति 1972 में गठित हुई थी और इसकी सिफारिशें 1975 में जारी हुई थी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगरपालिका में बुधवार 25 जून को आयोजित एक कार्यक्रम में सेवानिवृत्त, मृतक आश्रित, नगरपालिका से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को एक लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार उत्तराधिकार में प्राप्त सफाई कर्मचारी के रूप में नियुक्ति पत्र दिए गए। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर और नपा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड की मुख्य उपस्थिति मे 52 सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। यह नियुक्ति पत्र 1972 में गठित लाड़ समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदान की गई जिसने 1975 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्रित्व काल में सफाई कर्मचारियों से संबंधित सभी समस्याओं पर कैबिनेट की बैठक में इस संदर्भ में सकारात्मक निर्णय लेने का फैसला किया गया था। सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को उत्तराधिकार में सफाई कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने का मामला कई वर्षों से न्यायालयों में लंबित था। उत्तराधिकारियों को इसके लिए एक लंबा संघर्ष और इंतेजार करना पड़ा।इस कार्यक्रम में नियुक्ति के लिए मापदंड पूरा करने वाले कुल 136 में से 52 सफाई कर्मचारियों को उत्तराधिकार में ग्रुप 'डी' के तहत सफाई कर्मचारी के पद के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।नियुक्ति पत्र प्राप्त करते समय पात्र व्यक्तियों के चेहरों पर एक गहरी संतुष्टि और खुशी की चमक दिखाई दी। मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड ने जानकारी देते हुए बताया कि शेष रह गए सफाई कर्मचारियों के वारिस भी आवश्यक मापदंड और दस्तावेज पूरे करते हैं तो उन्हें भी जल्द ही नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे और उनके दस्तावेजों में त्रुटियों को दूर करने के लिए सोमवार को मनपा में शिविर भी लगाया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में आमदार डॉ.बालाजी किणीकर, पूर्व नगराध्यक्ष सुनील चौधरी, पूर्व शहर प्रमुख श्रीनिवास वाल्मीकि, पूर्व नगराध्यक्ष प्रज्ञा बनसोडे, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुलभाई शेख, पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके, रवींद्र पाटिल, उमेश गुंजाल, उत्तरभारतीय विभाग के प्रमुख प्रमोद कुमार चौबे, निखिल चौधरी, महिला आघाड़ी से मालती पवार, सुवर्णा सालुंके सहित मनपा अधिकारी व कर्मचारियों के साथ ही नवनियुक्त सफाई कर्मचारी व उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कीटनाशक दवा के छिड़काव के दौरान किसान की हालत बिगड़ी

इलाज के दौरान अस्पताल में मौत, 4 बच्चों का था पिता

शाहजहांपुर, थाना बंडा क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। भांभी गांव के 45 वर्षीय किसान रामदास की कीटनाशक दवा की चपेट में आने से मौत हो गई। रामदास अपने खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहे थे। इस दौरान वह दवा की चपेट में आ गए। खेत में ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। शाम करीब चार बजे वह घर पहुंचे, जहां उनकी हालत और खराब हो गई। परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रामदास पत्नी मायादेवी और चार बच्चों के साथ रहते थे। वह परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। परिवार की आजीविका पूरी तरह उन पर निर्भर थी। उनकी मृत्यु से परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

पैर फिसलने से गहरे पानी में गया, पुलिस ने शव बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया

शाहजहांपुर, पुवायां थाना क्षेत्र के मुड़िया कुर्मियात गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। तालाब के किनारे शौच करने गए व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कल्लू पुत्र बद्री के रूप में हुई है। मृतक के बेटे हरिश्चंद्र ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनके पिता शौच के लिए तालाब के किनारे गए थे। वहां उनका पैर फिसल गया।

उल्हासनगर के विभिन्न मुद्दों को लेकर आमदार कुमार आयलानी ने मनपा आयुक्त के साथ बैठक की।

बैठक में कल्याण पूर्व की आमदार सुलभा गायकवाड, उल्हासनगर भाजपा अध्यक्ष राजेश वधारिया भी उपस्थित रहे।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर.स्थानीय आमदार कुमार आयलानी ने शहर की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की।उनके साथ इस बैठक में कल्याण पूर्व की आमदार सुलभा गायकवाड भी साथ रहीं। बैठक में शहर की धोखा दायक इमारतों के पुनर्विकास, ट्रांजिट कैंप, शहर में पानी के आपूर्ति में अव्यवस्था, दूषित पानी की सप्लाई, सड़कों के गड्ढे, गार्डन्स की साफ सफाई, अनाधिकृत इमारतों को नियमानुकूल करने, फायर ब्रिगेड व नई बसों का उद्घाटन करने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। आमदार कुमार आयलानी ने कहा कि शहर के लोगों के लिए एक आवश्यक बात यह है कि रेगुलराइजेशन के लिए जिसकी भी फाइलें मनपा में जमा हैं वह फीस भरकर अपनी रेगुलराइजेशन की प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने कहा है कि आज से ही इस प्रक्रिया की शुरूवात कर दी जाएगी इसलिए नागरिक इस कार्य को पूरा कराएं।वहीं पूर्व नगरसेवकों ने यह शिकायत रखी कि शासन के शासनादेश के अनुसार ही टेंडर प्रक्रिया की जाए क्योंकि ठेकेदारों में रोष है जो टेंडर ऑनलाइन होने के आदेश हैं उन्हें ऑनलाइन व जो ऑफलाइन हैं उन्हें ऑफलाइन किया जाए। आमदार सुलभा गायकवाड़ ने बताया कि रास्ते, पानी व वार्ड की विभिन्न समस्याएं मनपा आयुक्त के सामने रखी गई। इस दौरान आमदार कुमार आयलानी, सुलभा गायकवाड़, जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया, प्रशांत पाटिल, टोनी सिरवानी, एस बी सिंह, दीपक छतलानी, अमर लुंड समेत तमाम लोग उपस्थित थे।

वक्फ की जमीन अपने उद्योगपति मित्रों को देने के लिए सरकार ने लाया काला कानून - डॉ जितेन्द्र आव्हाड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,वक्फ बोर्ड बेस कीमती जमीनों पर धन्ना शेठों की नजर है और सरकार अपने उद्योगपति मित्रों को खुश करने के लिए मुसलमानों के वक्फ की जमीन हड़पने के लिए वक्फ संशोधन कानून थोपने का प्रयास करा रही है।इस आशय का उदगार पूर्व मंत्री व राकांपा शरद पवार पार्टी के विधायक डॉ जितेन्द्र आव्हाड ने व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार मुसलमानों की भलाई क्या करेगी। संविधान ने देश के नागरिकों धार्मिक स्वतंत्रता दिया है। नया वक्फ संशोधन कानून संविधान के खिलाफ है और सब हिन्दू मुस्लिम संविधान और दस्तूर के साथ एक हैं। मुंब्रा के नूर बाग हाल में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ जन समर्थन जुटाने के लिए आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड की सभा आयोजित की गयी। जिसमें समाजवादी पार्टी के विधायक आबू आसिम आजमी ,एम आई एम के विधायक वारिस पठान , पूर्व नगर सेवक अशरफ शानू पठान ,राकांपा अध्यक्ष शमीम खान , सपा अध्यक्ष अब्दुल मन्नान शेख के आलावा बड़ी संख्या में उलेमा और नागरिक उपस्थित थे। डॉ आव्हाड ने अपने संबोधन में कहा कि जब मई अल्पसंख्यक विभाग का मंत्री था मैंने वक्फ की जमीन के 7/12 पर वक्फ दर्ज करने का आदेश दिया था। वक्फ दज होने से उक्त जमीन बेंची नहीं जा सकती। आज हजारों साल पहले बाप दादाओं द्वारा दान की गयी जमीनों का कागज माँगा जा रहा है। वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्य लाने का प्रयास किया जा रहा है जब न्यायमूर्ति संजय खन्ना ने पूंछा की कितने मंदिर ट्रस्टों में मुस्लिम सदस्य रखा गया है तो सरकार को कोई जवाब नहीं सुझा। उन्होंने कहा की कुछ गलियां हमसे भी हुई हैं मुंबई में यतीम खाने की जमीन अंबानी को बेच दी। उन्होंने कहा कि हम वक्फ को जमीन देते है तो हमें कोई रोक नहीं सकता है। इस लड़ाई हिन्दू मुस्लिम सब एक साथ हैं। सपा विधायक आजमी ने कहा कि मुसलमानों के साथ सरकार भेदभाव कर रही है। जब किसानों पर काला कानून थोपने का सरकार प्रयास कर रही थी जब किसानों ने बड़ा आन्दोलन किया और सैकड़ों किसान शहीद हो गए। अन्तः सरकार को कानून वापस लेना पड़ा। उसी तरह सेक्युलर हिन्दुओं को साथ लेकर मुसलमानों को आन्दोलन करना पड़ेगा। केंद्र में बैठी सरकार को यह भी कानून वापस लेना पड़ेगा। उन्होंने वादा किया कि वक्फ के मुद्दे पर उलेमाओं की एक आवाज पर हम जान देने के लिए तैयार हैं। विधायक वारिस पठान ने कहा कि संविधान में मिले अधिकारों क वक्फ संशोधन कानून उलंघन करता है और यह काला कानून मुसलमानों की जमीन छीनने के लिए लाया गया है। मुंबई में आगा खान ट्रस्ट की जामीन पर अंबानी ने आलिशान ईमारत बना लिया है उसे बचाने का कार्य सरकार कर रही है। अभी सरकार हमारी जमीनें छिनने का कार्य कर रही आगे हम क्या खाएं क्या नहीं इसका भी फैसला सरकार करना चाहती है। उसे यह काला कानून वापस लेना पड़ेगा। शिया समुदाय के मौलाना अली असगर हैदरी ने कहा कि देश में इस्लाम है और मुसलमान हैं , शिया और सुन्नी अलग नहीं दोनों भाई हैं। हमें फिरकों में बांटने की कोशिस न की जाये। हम सब मिलकर वक्फ की लड़ाई में उलेमाओं के पीछे खड़े रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने बाबरी मस्जिद मामले में हमारे खिलाफ फैसला दिया तो हमने न्यायालय के फैसले को मान लिया। वहीँ जब सरकार के खिलाफ न्यायालय का फैसला आता है तो सरकार उसे स्वीकार नहीं करती बल्कि कानून और जज को बदलने का कार्य करती है। जमीयत के मौलाना हलिमुल्ला ने कहा की ११ सालों से केंद्र की सत्ता में बैठी सरकार झूठ पर झूठ बोलकर दुष्प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ मंदिर ट्रस्टों के पास 10 लाख एकड़ जमीन है यह नहीं बताया गया। 400 वर्ष पुरानी वक्फ की गयी जमीनों का कागज अब कहाँ से लायें। सरकार वक्फ जमीन की सुरक्षा करना चाहती तो उसे कब्जा हटाने का कानून लाना चाहिए था लेकिन सरका वक्फ की जमीन पर कब्जा करना चाहती है। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड , मुंबई के संयोजक मौलाना महमूद दरियाबादी ने कह कि सरकार झूठी है हम वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रहे हैं उसे हमारी बात सुनना चाहिए। मस्जिदों में नमाज पढ़ने के लिए हम पैसे नहीं देते लेकिन दिल्ली में नमाज पढ़ने के लिए पैसे लेने की शुरूआत हो गयी। सरकार चाहेगी तो जामा मस्जिद में नमाज पढ़ने पर टिकट लगा देगी। इस काले कानून पर रोक नहीं लगा तो बड़ी बड़ी मस्जिदें मुसलमानों के हाथो से निकल जायेगी। मौलाना उबैद आजमी ने कहा कि इससे पहले भी हमारे खिलाफ कई कानून लादने का प्रयास हुआ। मुसलमानों ने एकजुटता से विरोध किया। इसका भी संविधान के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण विरोध करने पर इसे भी वापस लेगा होगा। इसके लिए सभी मुसलमानों को अपने फिरके को साईड में रककर एक जुट होना पड़ेगा।

एमपी से लौट रहे युवक को ट्रक ने कुचला, मौत

भाई बोला- जिस फोन से कहा था, लेने आ जाना, उसी से मिली मौत की खबर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक दर्दनाक सड़क हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना पुवायां क्षेत्र के जारमानो निवासी बसंत कुमार के रूप में हुई है। बसंत एक महीने पहले मध्य प्रदेश में कंबाइन चलाने गए थे। वह बस से घर लौट रहे थे। राजीव चौक पहुंचने से पहले उन्होंने एक यात्री के फोन से अपने भाई परविंदर को कॉल किया। उन्होंने भाई से कहा कि वह पुवायां के पास उन्हें लेने आ जाए। राजीव चौक पर बस से उतरने के बाद जब बसंत सड़क पार कर रहे थे, तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी चली गई थी मायके जिस यात्री के फोन से बसंत ने अपने भाई को कॉल किया था, उसी ने बाद में परिवार को दुर्घटना की सूचना दी। परिवार के अनुसार, बसंत की पत्नी पांच साल पहले एक विवाद के बाद तीन बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। बसंत अपने बेटे शिवा के साथ रह रहे थे। हादसे की सूचना मिलने के बाद भी पत्नी नहीं आई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राशन दुकान के चयन पर विवाद

शाहजहांपुर में ग्रामीणों का तहसील पर प्रदर्शन, एसडीएम ने कहा- नए सिरे से होगा चुनाव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, मिर्जापुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बुढ़ौरा शेर गंज में राशन दुकान के चयन को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने कलान तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि माध्यमिक विद्यालय में हुए चुनाव में पर्यवेक्षक अधिकारी आकाश अवस्थी, सहायक विकासखंड अरविंद कुमार और पुलिस बल की मौजूदगी में इजहार अली 89 वोटों से विजयी घोषित हुए। ग्राम प्रधान मनीराम से हस्ताक्षर करने को कहा गया, लेकिन उन्होंने अभी तक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटा चयन के बाद भी उप जिलाधिकारी कलान संस्तुति नहीं कर रहे हैं। वहीं विरोधी पक्ष ने भी बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ तहसील पहुंचकर चुनाव प्रक्रिया को गलत बताते हुए पुनः चुनाव कराने की मांग की। उप जिलाधिकारी कलान ने स्पष्ट किया कि बुडौरा सेरगंज में राशन दुकान का चुनाव सही तरीके से नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई थी। जल्द ही पूरी पारदर्शिता के साथ नए सिरे से चुनाव प्रक्रिया कराई जाएगी।

बिजली व्यवस्था को लेकर डीएम सख्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय में बैठक की। बैठक में एसडीओ और जेई मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी जेई से उनके क्षेत्र की व्यवस्था की जानकारी ली। गोविंदगंज के जेई द्वारा विद्युत आपूर्ति और शिकायतों के समाधान की स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाने पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिलाधिकारी ने सभी एसडीओ और जेई को निर्देश दिए कि वे लाइनमैन पर निर्भर न रहें। उन्हें खुद क्षेत्र में जाकर विद्युत आपूर्ति की निगरानी करनी होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि बिजली बाधित होने से पहले जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को सूचना देना अनिवार्य है। उपभोक्ता शिकायतों का समयबद्ध समाधान करना होगा। शिकायत पंजिका का नियमित अवलोकन कर तत्काल कार्रवाई की जाए। कांवड़ यात्रा को देखते हुए निर्धारित मार्ग पर विद्युत कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

नाटो समिट में ट्रम्प के एजेंडे का विरोध

स्पेन ने रक्षा खर्च बढ़ाने से इनकार किया; फ्रांस, इटली और कनाडा भी सहमत नहीं

एजेंसी

हेग, नीदरलैंड के द हेग शहर में आज से नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) समिट का आज दूसरा दिन है और सदस्य देशों के प्रमुखों की मीटिंग होगी। इस बार की बैठक को नाटो के इतिहास की सबसे अहम बैठकों में माना जा रहा है। यह ऐसे समय हो रही है जब मिडिल ईस्ट में ईरान-इजराइल जंग का 12 दिनों बाद सीजफायर हुआ है इस बार की मीटिंग का एजेंडा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांग पर यूरोपीय देशों के रक्षा खर्च में हिस्सेदारी को बढ़ाने का रखा गया है। ट्रम्प चाहते हैं कि सभी सदस्य देश अपने जीडीपी का 5% रक्षा पर खर्च करें, हालांकि वर्तमान में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है और जीडीपी का केवल 2% है। ट्रम्प का मानना है कि अमेरिका नाटो को बहुत पैसा देता है और बाकी देश अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे। हालांकि, स्पेन ने पहले ही रक्षा खर्च बढ़ाने से इनकार कर दिया है। वहीं, फ्रांस, इटली और कनाडा भी इससे

सहमत नहीं हैं। वहीं, इससे पहले मंगलवार को संगठन में मतभेद गहराते नजर आए। समिट में सबसे बड़ी चिंता नाटो देशों के बीच रक्षा खर्च को लेकर आपसी मतभेद की रही। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि संगठन यूक्रेन जैसे मुद्दों से निपट सकता है, लेकिन ट्रम्प ने नाटो की सबसे अहम संधि लेख 5 (एक-दूसरे की रक्षा का वादा) पर सीधा समर्थन देने से इनकार कर दिया। ट्रम्प के इस कदम के बाद आज की मीटिंग में दूसरे देशों की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल सकती है। वहीं, रक्षा बजट पर भी ट्रम्प के रुख से नाराज चल रहे यूरोपीय देश कोई निर्णय ले सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मांगों को ध्यान में रखते हुए नाटो महासचिव मार्क रूटे ने समिट का एजेंडा तय किया है। बैठक में मुख्य जोर यूरोपीय देशों द्वारा रक्षा खर्च बढ़ाने पर है, जिसे ट्रम्प लंबे समय से मांगते आ रहे हैं। नाटो में चल रहे मतभेदों के बीच महासचिव मार्क रूटे ने एक नया प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के मुताबिक, सदस्य देशों को अपनी जीडीपी का 3.5% सीधे सेना और हथियारों पर खर्च करना होगा और 1.5% ऐसे कामों पर जो रक्षा से जुड़े हों। प्रस्ताव में 1.5% खर्च की परिभाषा बहुत खुली रखी गई है। इसका मतलब यह है कि हर देश इसे अपने तरीके से समझ सकता है और किसी भी खर्च को 'रक्षा खर्च' बता सकता है। कुछ देश जैसे पोलैंड, एस्टोनिया और लिथुआनिया (जिन्हें रूस से खतरा ज्यादा है) इस लक्ष्य को पाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बाकी यूरोपीय देश इस खर्च को पूरा करने में अभी काफी पीछे हैं। कई देशों के लिए यह खर्च बहुत बड़ा है और वे शायद 2032 या 2035 तक भी इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएंगे। महासचिव मार्क रूटे ने भरोसा जताया था कि सभी 32 देश इस प्रस्ताव का समर्थन करेंगे। रूस की ओर से खतरे को देखते हुए पोलैंड, जर्मनी, नीदरलैंड्स और स्कैंडिनेवियाई देश इस प्रस्ताव को समर्थन दे भी रहे हैं। वहीं, स्पेन ने साफ कर दिया कि वह अपनी जीडीपी का 5% रक्षा खर्च पर नहीं लगा सकता। स्पेन ने इसका विरोध करते हुए कहा कि वो 2.1% से ज्यादा खर्च नहीं करेगा। सांचेज की सरकार पहले ही भ्रष्टाचार और राजनीतिक दबाव में है, और ऐसे में खर्च बढ़ाना और मुश्किल हो गया है। फ्रांस, इटली, कनाडा और बेल्जियम जैसे देश भी इतना खर्च करने को लेकर सहज नहीं हैं।

ईरान ने माना- हमारे परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा

ट्रम्प बोले- न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू किया तो फिर अटैक करेंगे; हमारे हमलों से जंग रुकी

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव, ईरान ने मान लिया है कि 22 जून को अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। अल जजीरा से बात करते हुए बाघई ने कहा कि अमेरिकी बस्टर बमों के हमले असरदार थे और उससे परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, बाघई ने नुकसान की डिटेल जानकारी नहीं दी। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नीदरलैंड में नाटो समिट में मीडिया से

कहा कि ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के कारण 12 दिनों तक चली ईरान-इजराइल जंग रुकी। उन्होंने कहा, '12 दिनों के दौरान ईरान नर्क से गुजरा, जिसके कारण उसे परमाणु हथियार बनाने की इच्छा छोड़नी पड़ी। अगर ईरान ने फिर से न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू किया तो हम फिर हमला करेंगे।' अमेरिकी मीडिया हाउस उठठ और न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है। बस कुछ महीनों के लिए पिछड़ गया है। यह दावा एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। हालांकि, ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इन मीडिया रिपोर्ट्स को 'फर्जी खबरें' करार दिया। इजराइल ईरान में 12 दिन के बाद सीजफायर इजराइल-ईरान के बीच जंग के 12वें दिन, मंगलवार को सीजफायर हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने सबसे पहले कल सुबह 3:30 बजे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सीजफायर की जानकारी दी थी। बाद में दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की और जंग में अपनी-अपनी जीत का दावा किया। इजराइली ढट बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजराइल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा- 'हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं।

अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तानी अफसर मारा गया

2019 में पाकिस्तान में गिरा था विंग कमांडर का विमान, 58 घंटे बाद रिहाई हुई थी

एजेंसी

इस्लामाबाद, भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ने वाला पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास मंगलवार को एक हमले में मारा गया। दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टी.टी.पी) ने पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया, इसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक मोइज अब्बास भी था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था। हालांकि, उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था। 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। उसके करीब दो हफ्ते बाद 26 फरवरी की रात को भारतीय वायुसेना ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की। 12 मिराज विमानों ने एलओसी से 80 किमी अंदर पाकिस्तान में घुसकर जैश के आतंकी अड्डे को तबाह कर

दिया। 27 फरवरी को सुबह 9 बजकर 52 मिनट पर पाकिस्तान के 10 एफ-16 फाइटर जेट्स ने भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश की। एक एफ-16 ने भारतीय सेना के ऑयल स्टोरेज को उड़ाने का प्रयास किया। मिग-21 में विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान थे। अभिनंदन ने एफ-16 का पीछा करते हुए उसे मार गिराया। हालांकि बाद में मिग-21 भी क्रैश हो गया। अभिनंदन ने खुद को इजेक्ट किया और पैराशूट से नीचे आ गए। अभिनंदन जहां गिरे, वो गांव भारतीय सीमा से 7 किमी दूर था। अभिनंदन के पास कुछ गोपनीय दस्तावेज और नक्शे थे। गांववाले अभिनंदन का पीछा करने लगे। आधा किलोमीटर भागने के बाद अभिनंदन एक तालाब किनारे पहुंचे और दस्तावेजों को पानी में भिगाकर खराब कर दिया। कुछ दस्तावेज वे खुद खा गए, ताकि वे दुश्मन के हाथ नहीं लगें। गांववालों ने अभिनंदन को पकड़ लिया और मारपीट करने लगे। पाक आर्मी को खबर कर दी थी। इसके बाद पाक आर्मी ने उन्हें पकड़ लिया था। मोइज अब्बास का नाम 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद सामने आया था। दावा किया गया था कि गया कि भारतीय पायलट अभिनंदन को पकड़ने वाला पहला पाकिस्तानी अधिकारी मोइज अब्बास था। मोइज अब्बास ने बाद में कई इंटरव्यू भी दिए थे। इंटरव्यू में उसने बताया थे कि किन परिस्थितियों में उनका सामना अभिनंदन वर्धमान हुआ था। अभिनंदन की भारत वापसी के लिए दोनों देशों की सरकारों के बीच बातचीत हो रही थी। आखिरकार 1 मार्च 2019 की रात विंग कमांडर अभिनंदन अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत लौटे।

भारत के साथ सार्थक बातचीत के लिए तैयार है पाकिस्तान : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनका देश सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। शरीफ ने यह विचार मंगलवार को सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान व्यक्त किये। यह बातचीत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के करीब दो महीने बाद हुई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान जम्मू-

कश्मीर, जल, व्यापार और आतंकवाद सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए तैयार है। इस बीच, शरीफ और सऊदी नेता ने पश्चिम एशिया के मौजूदा घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। पहलगाम आतंकी हमले के तुरंत बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया और पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक गतिविधियां रोकने जैसे कदम उठाए।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर भी शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तानी इलाकों में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया था।

नकली समाजवादी आपातकाल लगाने वालों की गोद में बैठ गए: केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने देश में आपातकाल लगाये जानी की 50वीं बरसी पर बुधवार को विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि नकली समाजवादी आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस पार्टी की गोद में बैठ गए हैं। मौर्य ने यहां सर्किट हाउस में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, आपातकाल के समय असली समाजवादी लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे थे। कांग्रेस के खिलाफ लोक नायक जयप्रकाश नारायण, जार्ज फर्नांडीस, मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद इस आंदोलन का हिस्सा थे उन्होंने कहा, जो कांग्रेस की गोद में बैठ गया, वह कांग्रेस की तरह ही हो गया। लोकतंत्र की हत्या करने वाली, इस देश में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस पार्टी के साथ जो खड़ा है, उसे कांग्रेस ही समझना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा, संविधान में आपातकाल लगाने की व्यवस्था है और वह भी तब जब देश संकट में हो। लेकिन उस समय देश पर संकट नहीं था, बल्कि गांधी परिवार की सत्ता पर संकट था उन्होंने कहा, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश पर इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया गया था। न्यायपालिका का इतना साहस कैसे कि इंदिरा गांधी का चुनाव रद्द कर दिया जाए। उस समय भारत का मतलब कांग्रेस और इंदिरा गांधी था। कांग्रेस ने सत्ता को बचाने के लिए देश में आपातकाल लगाया, जो कांग्रेस के अहंकार का सूचक है केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने सत्ता का दुरुपयोग कर वह कार्य किया, जो उन्हें नहीं करना चाहिए था। अब कांग्रेस मुक्त भारत और सपा मुक्त प्रदेश बनाने का समय आ गया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान के हत्यारों के साथ सपा ने गठबंधन किया और प्रतिपक्ष के नेता के संविधान की किताब लेकर जनता को गुमराह किया उन्होंने कहा कि वह दुष्प्रचार संविधान को बचाने का नहीं, बल्कि कांग्रेस को पुनः सत्ता पर स्थापित करने का था लेकिन देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनाई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपातकाल दिवस मना रही है और लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कर रही है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस ने सत्ता का दुरुपयोग कर वह कार्य किया, जो उन्हें नहीं करना चाहिए था। अब कांग्रेस मुक्त भारत और सपा मुक्त प्रदेश बनाने का समय आ गया है।

धर्मशाला में 15-20 मजदूर बाढ़ में बहे, 2 शव बरामद

कुल्लू में 3 जगह बादल फटा, पिता-बेटी समेत 3 बहे; लैंडस्लाइड से आदिकैलाश का रास्ता बंद

एजेंसी

नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला में बुधवार को तेज बारिश हुई। खनियारा इलाके के सोकणी दा कोट में इंदिरा प्रियदर्शनी हाइड्रल प्रोजेक्ट में काम करने वाले 15-20 मजदूर मनुणी खड्ड (नदी) में बह गए। अबतक दो मजदूरों के शव मिले हैं। मनुणी नदी आम दिनों में सूखी ही रहती है, लेकिन तेज बारिश के कारण नदी में अचानक से बाढ़ आ गई। मजदूर नदी किनारे बने शेड में रह रहे थे। इसलिए बाढ़ की चपेट में आ गए।कुल्लू जिले में भी 3 जगह सैंज घाटी के जीवा नाला, गढ़सा घाटी के शिलागढ़ और बंजार के होरनगढ़ में बादल फटा। जीवा नाला में बाप-बेटी समेत 3 लोग बह गए।उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में धारचुला-लिपुलेख रोड पर

लैंडस्लाइड हुआ। इसके कारण आदिकैलाश रोड बंद हो गया। दोनों तरफ वाहन फंसे हुए हैं।हल्द्वानी में एक कार नहर में गिर गई। कार सवार 7 लोगों में से 4 की मौत हो गई। इनमें तीन दिन का बच्चा भी शामिल है।केरल के वायनाड के आज सुबह से तेज बारिश हो रही है। चूरलमाला में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। पिछले साल मुडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला समेत दूसरे इलाकों में लैंडस्लाइड में 369 लोगों की मौत हुई थी।जम्मू में मंगलवार रात हुई भारी बारिश के चलते तवी नदी उफान पर है। इसमें एक शख्स फंस गया। रऊफऋ के लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसका रेस्क्यू किया।

चुनाव आयोग ने प्रशांत किशोर की पार्टी को आवंटित किया सिंबल

'स्कूल बैग' के निशान पर चुनाव लड़ेंगे सभी 243 प्रत्याशी

एजेंसी

भारत के चुनाव आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जन सुराज पार्टी को आधिकारिक तौर पर स्कूल बैग चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया है। पार्टी के सभी 243 उम्मीदवार अब इसी नए चिन्ह के तहत चुनाव लड़ेंगे। यह घटनाक्रम राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर द्वारा 2 अक्टूबर, 2024 को अपने राजनीतिक संगठन जन सुराज पार्टी के शुभारंभ की घोषणा के आठ महीने बाद हुआ है। पार्टी का शुभारंभ राज्य की राजधानी के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में कई प्रसिद्ध हस्तियों की मौजूदगी में किया गया।पार्टी की शुरूआत किशोर द्वारा चंपारण से राज्य की 3,000 किलोमीटर से अधिक लंबी 'पदयात्रा' शुरू करने के ठीक दो साल बाद हुई थी, जहाँ महात्मा गांधी ने देश में पहला सत्याग्रह शुरू किया था, जिसका उद्देश्य लोगों को एक ₹नए राजनीतिक विकल्प₹ के लिए संगठित करना था जो बिहार को उसके पुराने पिछड़ेपन से निजात दिला सके। पिछले महीने किशोर ने घोषणा की थी कि पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को सर्वसम्मति से पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है।

पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए किशोर ने कहा था कि अब वह जन संपर्क पर ध्यान केंद्रित करेंगे और संगठन चलाने की जिम्मेदारी उदय सिंह और आरसीपी सिंह जैसे लोगों को सौंपेंगे। किशोर ने यह भी कहा कि उदय सिंह, जिन्हें पार्टी को रसद सहायता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, को इस उद्देश्य के लिए गठित एक समिति द्वारा ₹केवल बहुमत से नहीं, बल्कि सर्वसम्मति से₹ चुना गया था।

अहमदाबाद स्टेशन से प्रारंभ/समाप्त होने वाली कुछ गाड़ियों के टर्मिनल में परिवर्तन और अस्थायी रूप से ठहराव रद्द
दिनांक 05 जुलाई से 12 सितंबर 2025 तक प्रभावी

अहमदाबाद के स्थान पर मणिनगर से प्रारंभ होने वाली गाड़ियाँ

गाड़ी संख्या	प्रस्थान स्टेशन व गंतव्य	समय	प्रभावी तिथि
12932	अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल	05.50 बजे	07.07.2025
19034	अहमदाबाद – वलसाड	18.20 बजे	05.07.2025

अहमदाबाद के स्थान पर वटवा पर समाप्त होने वाली गाड़ियाँ

22953	मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद	14.20 बजे	05.07.2025
12931	मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद	21.20 बजे	05.07.2025

अहमदाबाद के स्थान पर असारवा से प्रारंभ/अंत होने वाली गाड़ियाँ

12655	अहमदाबाद – चेन्नई सेंट्रल	21.05 बजे	05.07.2025
12656	चेन्नई सेंट्रल – अहमदाबाद	18.20 बजे	04.07.2025

अहमदाबाद के स्थान पर साबरमती जंक्शन पर दिया गया ठहराव

गाड़ी संख्या	प्रस्थान स्टेशन व गंतव्य	आगमन	प्रस्थान	प्रभावी तिथि
19016	पोरबंदर – दादर	06.48 बजे	06.58 बजे	05.07.2025

अहमदाबाद के स्थान पर साबरमती बीजी पर दिया गया ठहराव

12479	जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस	03.00 बजे	03.10 बजे	05.07.2025
20495	जोधपुर – हडपसर	05.20 बजे	05.30 बजे	05.07.2025
20496	हडपसर – जोधपुर	07.20 बजे	07.30 बजे	05.07.2025
22452	चंडीगढ़ – बांद्रा टर्मिनस	00.01 बजे	00.10 बजे	06.07.2025
22738	हिसार – सिकंदराबाद	07.10 बजे	07.20 बजे	06.07.2025
22664	जोधपुर – चेन्नई एगमोर	07.10 बजे	07.20 बजे	08.07.2025
22916	हिसार – बांद्रा टर्मिनस	07.10 बजे	07.20 बजे	08.07.2025
12998	बाड़मेर – बांद्रा टर्मिनस	07.10 बजे	07.20 बजे	10.07.2025
22724	श्रीगंगानगर – हजूर साहिब नांदेड़	07.10 बजे	07.20 बजे	05.07.2025
14701	श्रीगंगानगर – बांद्रा टर्मिनस	20.49 बजे	20.59 बजे	04.07.2025
14707	लालगढ़ – दादर	21.50 बजे	22.00 बजे	05.07.2025
12966	भुज – बांद्रा टर्मिनस	02.10 बजे	02.20 बजे	11.07.2025
12960	भुज – बांद्रा टर्मिनस	02.10 बजे	02.20 बजे	07.07.2025
22966	भगत की कोठी – बांद्रा टर्मिनस	02.10 बजे	02.20 बजे	05.07.2025
20824	अजमेर – पुरी	02.10 बजे	02.20 बजे	08.07.2025
22992	भगत की कोठी – वलसाड	02.10 बजे	02.20 बजे	09.07.2025
14702	बांद्रा टर्मिनस – श्रीगंगानगर	04.47 बजे	04.57 बजे	05.07.2025
20943	बांद्रा टर्मिनस – भगत की कोठी	05.25 बजे	05.35 बजे	10.07.2025

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

विस्तृत जानकारी, ठहराव के समय व डिब्बों की संरचना जानने हेतु यात्रीगण कृपया देखें: www.enquiry.indianrail.gov.in

सभी आरक्षित टिकटों के साथ कृपया मूल पहचान पत्र अवश्य लेकर चलें.

संक्षेप

मूंगर पूर्व माध्यमिक विद्यालय में चोरी

इनवर्टर और बैटरी समेत कीमती सामान चोरी, प्रधानाध्यापिका ने दर्ज कराई शिकायत

जयसिंहपुर, गोसाईगंज थाना क्षेत्र में इन दिनों चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है !पुलिस द्वारा उनके खुलासे न होने से चोरों के हौसले बढ़ते जा रहे है। जिसके चलते थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर शिक्षा क्षेत्र स्थित मूंगर पूर्व माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार रात चोरी हुई। चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर इनवर्टर, दो बैटरी और अन्य कीमती सामान चुरा लिए। बुधवार सुबह विद्यालय पहुंचने पर इंचार्ज प्रधानाध्यापिका चंदा देवी को चोरी का पता चला। उन्होंने तुरंत ग्राम प्रधान अनूप वर्मा को सूचित किया। सूचना मिलते ही भटमई चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष रामाशीष उपाध्याय ने बताया कि प्रधानाध्यापिका चंदा देवी की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गौरतलब है कि गोसाईगंज थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में नई नियुक्ति

उमेश चंद्र तिवारी बने पूर्वांचल के प्रदेश सचिव, पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष

सुलतानपुर, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ अरविंद राजभर ने एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की है। उन्होंने उमेश चंद्र तिवारी को पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। उमेश चंद्र तिवारी गंगापुर भरखरे लंभुआ, जनपद सुल्तानपुर के निवासी हैं। उनकी नियुक्ति पर किसान नेता गिरीश पांडे सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। नवनियुक्त प्रदेश सचिव उमेश चंद्र तिवारी ने अपनी जिम्मेदारी को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी हित में कार्य करते हुए जनसेवा करेंगे। उमेश चंद्र तिवारी ने यह भी बताया कि उनकी पार्टी प्रदेश सरकार में शामिल होकर उत्तर प्रदेश के निवासियों की सेवा कर रही है।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक

पुलिस ने कहा- पुराने रूट से निकले जुलूस, विवाद पर तुरंत दें सूचना

सुलतानपुर, मोहर्रम त्योहार को शांतिपूर्वक मनाने के लिए पुलिस ने कमान संभाल ली है। बुधवार को थाना कोतवाली देहात में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक लम्भुआ अब्दुस सलाम और थाना प्रभारी अखंडदेव मिश्र मौजूद रहे। बैठक में क्षेत्र के ताजियादार, मौलवी, धर्मगुरु, ग्राम प्रधान और प्रमुख नागरिक शामिल हुए। अधिकारियों ने सभी को न्यायालय और उच्चाधिकारियों के आदेश-निदेर्शों से अवगत कराया। साथ ही त्योहार को सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सीओ लंभुआ ने स्पष्ट किया कि जुलूस पूर्व निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। कोई नई परंपरा नहीं शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी लोग भाईचारे से त्योहार मनाएं।

एसआरएन हास्पिटल में एचटी लाइन से निकली चिंगारी, कार जली

प्रयागराज में अस्पताल परिसर में मची अफरातफरी, हादसा टला, तीमारदारों की भीड़ लगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, शहर के सबसे बड़े स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल परिसर में हाईटेंशन लाइन में स्पार्किंग से चिंगारी उठी। चिंगारी परिसर में खड़ी बलेनो कार में गिर गई। जिससे कार जल गई। आग की लपटें उठती देख मरीजों और तीमारदारों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों के देखते ही देखते कार से धुआं उठने लगा और कुछ ही मिनटों में वह पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। अस्पताल के कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थानीय संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। लेकिन आग इतनी भीषण

थी कि थोड़ी ही देर में पूरी कार जलकर खाक हो गई। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, जिस पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि हादसे के समय कार में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, कार पूरी तरह से जल गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड नहीं पहुंचती, तो आग आसपास खड़ी अन्य गाड़ियों या अस्पताल की इमारत तक फैल सकती थी। स्वरूप रानी अस्पताल परिसर में इस तरह हाईटेंशन तारों के नीचे वाहन पार्किंग को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है, और अस्पताल परिसर में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। यह घटना अस्पताल परिसर में पार्किंग की सुरक्षा और हाईलाइन वायरों की निगरानी को लेकर भी एक गंभीर चेतावनी है।

बॉयज हाई स्कूल की एनेक्सी ब्रांच पर विवाद

बिशप ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, 60 करोड़ के गबन का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, चर्च लेन स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बॉयज हाई स्कूल की एनेक्सी ब्रांच होली ट्रिनिटी स्कूल को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। डायोसिस ऑफ लखनऊ के बिशप मॉरिस एडगर दान ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक पत्र भेजते हुए विद्यालय की मान्यता की जांच और 60 करोड़ रुपये के कथित गबन के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बिशप दान ने पत्र में बताया कि उनकी कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त प्रबंध समिति वर्ष 2011 में पंजीकृत हुई थी, जिसके तहत उन्होंने डेविड एंड्रयू ल्यूक को बॉयज हाई स्कूल का कार्यवाहक प्रधानाचार्य और श्रीमती रीना मंडल को होली ट्रिनिटी स्कूल की हेड मिस्ट्रेस नियुक्त किया था। लेकिन बाद में, आरोप है कि डेविड ल्यूक, उनकी पत्नी क्रिस्टेबल ल्यूक, लेखाकार डूकेस, सहायक धर्मराज और अन्य लोगों ने षड्यंत्रपूर्वक होली ट्रिनिटी जैसे स्वतंत्र स्कूल को बॉयज हाई स्कूल की ब्रांच (एनेक्सी) घोषित कर दिया।

बिशप का आरोप है कि बिना किसी विधिक अनुमति और मान्यता के, स्कूल का संचालन इस नाम पर किया गया और छात्रों से वसूली गई फीस को बॉयज हाई स्कूल के खाते में जमा कराकर प्रतिवर्ष करीब 5 करोड़ रुपये का गबन किया गया। अब तक कुल गबन की राशि 60 करोड़ रुपये के करीब बताई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सीआईएससीई बोर्ड की स्पष्ट गाइडलाइन है कि किसी भी शाखा को अलग से मान्यता लेनी होती है। बोर्ड की अनुमति के बिना कोई शाखा (एनेक्सी) मान्य नहीं होती, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अवहेलना कर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया।

भाजपा नेता ने आपातकाल को किया याद

- अमेठी में बृज बहादुर सिंह बोले- कांग्रेस की विचारधारा राष्ट्रवादी नहीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर सिंह ने अमेठी में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर जन जागरण गोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। बृज बहादुर सिंह ने कहा कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान कई बेगुनाह लोगों को गोली मार दी गई। नागरिकों को जेल में डाला गया। लोगों की स्वतंत्रता छीन ली गई। इस घटना को याद करते हुए भाजपा पूरे देश में जन जागरण अभियान चला रही है। उन्होंने कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी सिर्फ अपने परिवार के हित में काम करती है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासन में जब परिवार का कोई सदस्य प्रधानमंत्री नहीं था, तब भी सुपर पीएम के नाम पर परिवार का नियंत्रण रहा। वास्तविक प्रधानमंत्री

को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दिया गया। भाजपा नेता ने कहा कि आज उनकी पार्टी के शासन में मीडिया और नागरिक स्वतंत्र हैं। कोई किसी का गुलाम नहीं है। उन्होंने कहा कि वे आपातकाल की याद को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

दहेज प्रताड़ना का मामला

पति समेत ससुराल वालों ने महिला को घर से निकाला, जेवर भी रख लिए, एफआईआर दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। रोली पाल ने बताया कि उनकी शादी 27 मई 2023 को प्रतापगढ़ जिले के सराय रजई मदाफरपुर निवासी बलराम पाल से हुई थी। पीड़िता ने बताया कि शादी में उनके पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। इसके बावजूद ससुराल वाले संतुष्ट नहीं हुए। कुछ समय बाद उनके ससुर रामराज, पति, जेठ, जेठानी और देवर ने दहेज को लेकर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना शुरू कर दी। रोली ने आगे बताया कि विरोध करने पर भी ससुराल वाले पैसों की मांग करते रहे। पैसे न देने पर उनके साथ मारपीट और

गाली-गलौज की जाती थी। करीब 7-8 महीने पहले उनके पति और परिवार वालों ने मिलकर उन्हें घर से निकाल दिया। साथ ही उनके सभी जेवर भी रख लिए। ससुराल वालों ने धमकी दी कि अगर वह वापस आई तो मार कर फेंक देंगे। पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। एसएचओ अखिलेश सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

परिवार से विवाद के बाद घर से निकला युवक

- अमेठी में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, फुरसतगंज थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई। टांडा बांदा राजमार्ग स्थित केजीएन ढाबा के पास एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पूरे बचीलन मजरे तांबामऊ गांव थाना जायस के 21 वर्षीय लवकुश के रूप में हुई है। लवकुश की परिजनों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वह रात में घर से निकलकर हाइवे की तरफ चला गया। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही फुरसतगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजन

अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष श्रीराम पांडेय ने बताया की अज्ञात वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

बिजली कटौती से नाराज महिलाएं

लाठी-डंडों के साथ बिजली कार्यालय पहुंचीं, रोस्टर के अनुसार आपूर्ति की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, ग्रामीण इलाकों में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती के विरोध में बड़ी संख्या में महिलाएं बिजली कार्यालय पहुंचीं। महिलाओं ने अधिशासी अभियंता को पत्र सौंपकर विद्युत कटौती पर रोक लगाने की मांग की। प्रदेश सरकार ने शहरी इलाकों में 24 घंटे और ग्रामीण इलाकों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का निर्देश दिया है। इसके बावजूद अमेठी के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति विपरीत है। कुछ इलाकों में 5-6 घंटे और कुछ में केवल 10-12 घंटे ही बिजली मिल रही है। गौरीगंज के विद्युत वितरण खंड प्रथम में पहुंची महिलाओं ने नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। हल्की बारिश में कट जाती है बिजली महिलाओं का

कहना है कि गर्मी के मौसम में लंबी बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हल्की बारिश होते ही बिजली काट दी जाती है। विद्युत लाइनों के रास्ते में आने वाले पेड़ों की कटाई भी नहीं की जा रही है। महिलाओं ने मांग की है कि उपभोक्ताओं को रोस्टर के अनुसार बिजली उपलब्ध कराई जाए। इससे लोगों को समय का पता रहेगा और वे अपना काम उसी के अनुसार कर सकेंगे।

लेखपाल ने पूर्व राज्यमंत्री से मांगे 50 हजार

अलीगढ़ में मंत्री ने 25 साल पहले खरीदी थी 2 एकड़ जमीन, सीएम से शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, कार्यरत एक लेखपाल ने पूर्व राज्यमंत्री से ही 50 हजार रुपए की रिश्वत मांग ली। रुपए न मिलने पर उसने जांच को तीन दिन में ही पूरा कर दिया। जिसके बाद पूर्व मंत्री ने सारे प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री से लिखित रूप में की है। मुख्यमंत्री से शिकायत होने के बाद इस मामले का तत्काल संज्ञान लिया गया है और सीएम के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने जिला प्रशासन को इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि लेखपाल के खिलाफ उच्च अधिकारियों से जांच कराई जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। अलीगढ़ के रहने वाले पूर्व राज्यमंत्री

ओमप्रकाश नायक एससी/एसटी आयोग के सदस्य रह चुके हैं। बंजारा विकास समिति संस्था के सचिव रहते हुए उन्होंने 2001 में गांव दुभिया में 2 एकड़ जमीन खरीदी थी। यह जमीन उन्होंने बतासो देवी नाम की महिला से खरीदी थी। इस जमीन पर पिछले 25 सालों से खेती काम किया जा रहा है। बीते दिनों बतासो देवी के नाम से प्रशासन को शिकायत की गई थी। लेकिन इस शिकायत में बतासो देवी के कोई हस्ताक्षर या अंगूठा नहीं था। मामले की जांच एसडीएम कोल के पास पहुंची थी और उन्होंने लेखपाल को जांच की जिम्मेदारी दी थी। लेखपाल को जांच मिलने के बाद उसने पूर्व मंत्री से 50 हजार रुपए की मांग की। जब उसे रुपए नहीं मिले तो उसने इस मामले में जांच तीन दिन में ही बंद कर दी। जिसके बाद ओमप्रकाश नायक ने लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और मामले की शिकायत की। जिसके बाद सीएम के आदेश के बाद उनके प्रमुख सचिव ने इस मामले का संज्ञान लिया है। सीएम के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने तत्काल मामले की जांच करते हुए सारे मामले की रिपोर्ट भी तलब की है। जिसके बाद जिला स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि इस मामले में लेखपाल पर गाज गिर सकती है।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर मंत्री कपिल देव का पलटवार

बोले- इंदिरा गांधी ने बिना कैबिनेट मीटिंग के लगाई इमरजेंसी, सभी नेताओं को कराया गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आपातकाल के दौर को याद किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की

अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में मंत्री ने बताया कि 25 जून 1975 को जयप्रकाश नारायण ने न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका में इंदिरा गांधी द्वारा सरकारी संसाधनों और ताकत का दुरुपयोग कर सत्ता हथियाने का आरोप लगाया गया था। न्यायालय ने याचिका के पक्ष में फैसला सुनाते हुए इंदिरा गांधी को सांसद पद से इस्तीफा देने का आदेश दिया। उन्हें किसी अन्य नेता को प्रधानमंत्री बनाने को कहा गया। लेकिन इंदिरा गांधी ने ऐसा नहीं किया।

गैस एजेंसी कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत

अज्ञात वाहन की टक्कर, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, एक दर्दनाक सड़क हादसे में गैस एजेंसी कर्मचारी की मौत हो गई। यह घटना अमेठी-प्रतापगढ़ मार्ग पर हुई। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के महसो गांव निवासी त्रिभुवन यादव प्रकाश गैस एजेंसी में डिलीवरी वाहन चलाते थे। मंगलवार की देर शाम को काम समाप्त करने के बाद वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने गंभीर रूप से घायल त्रिभुवन को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी बड़का की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़

4 लुटेरे पैर में गोली लगने से घायल, 1.60 लाख रुपए और हथियार बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, महावन थाना क्षेत्र में एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। बरेली हाइवे के पास हुई मुठभेड़ में चारों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हुए, जबकि एक बदमाश फरार हो गया। गोली लगने से घायल हुए बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार बदमाशों में आकाश निषाद उर्फ मरिया, विशाल

उर्फ कल्लू डॉन, मोहित उर्फ अजय और परवेज शामिल हैं। फरार बदमाश की पहचान अमित यादव के रूप में हुई है। ये गिरोह रात में मोटरसाइकिल सवारों को तमंचे के बल पर रोककर चेन, मोबाइल और पैसे लूटता था। 21-22 जून की रात लक्ष्मीनगर महावन रोड पर नगला पापरी के सामने इन्होंने एक व्यक्ति से सोने की चेन, मोबाइल और 5000 रुपए लूटे थे। बदमाशों ने लूटी गई सोने की चेन को बैंक में रखकर 1,60,000 रुपए का गोल्ड लोन ले लिया था। पुलिस ने बदमाशों से 1.60 लाख रुपए, लूटा हुआ नथिंग कंपनी का मोबाइल, 4 अवैध तमंचे, 6 जिंदा कारतूस, 10 खोखा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा लूट में प्रयुक्त एक चोरी की बाइक और एक स्कूटी भी बरामद की गई है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी